● वर्ष-3
● अंक-08
रायपुर, शुक्रवार
18 अगस्त 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

छत्तीसगढ़ में भाजपा के 21 उम्मीदवारों का एलान

पाटन से सांसद विजय बघेल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, रामविचार रामानुजगंज से

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को आगामी छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। 2018 में भाजपा ने छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों में से कांग्रेस की 68 सीटों के मुकाबले केवल 15 सीटें जीती थीं। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने पाटन से लोकसभा सांसद विजय बघेल, प्रेमनगर से भूलन सिंह मरावी, भटगांव से लक्ष्मी राजवाड़े, प्रतापपुर (एसटी) से शकुंतला सिंह पोर्थे, सरायपाली (एससी) से सरला कोसरिया, खल्लारी से अलका चंद्राकर, खुज्जी से गीता घासी साहू और बस्तर (एसटी) से मनीराम कश्यप को मैदान में उतारा है।

बुधवार को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में नाम तय किए गए, जिसकी अध्यक्षता पार्टी प्रमुख जे पी नड्डा ने की और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए भाजपा की 21 उम्मीदवारों की पहली सूची में पांच महिलाएं शामिल हैं। विशेष रूप से, विजय बघेल, जो मौजूदा सांसद हैं, को पाटन में चाचा और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के खिलाफ खड़ा किया गया है। 2018 के राज्य चुनावों में, भाजपा ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश दोनों में सत्ता खो दी, लेकिन वह एक साल से अधिक समय के बाद बाद में कांग्रेस सरकार को गिराने में सफल रही। इसने छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों में से केवल 15 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 68 सीटें मिलीं। हालांकि, पहली सूची में पूर्व सीएम और वरिष्ठ नेता रमन सिंह का नाम नहीं है।

विधानसभा चुनाव के एलान से पहले ही पहली

सूची की घोषणा कर भाजपा ने अपनी आक्रामक रणनीति साफ कर दी है। इससे पहले भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बुधवार को नई दिल्ली के पार्टी मुख्यालय में आयोजित हुई थी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने बैठक के दौरान विचार-विमर्श में भाग लिया था।

देर रात तक चली बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत भाजपा के कई बड़े नेता शामिल हुए थे। इस दौरान मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की चुनाव तैयारियों का जायजा लिया गया था। सीईसी सदस्यों ने आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की तैयारियों की समीक्षा भी की थी।

सीटों का समीकरण क्या है?

छत्तीसगढ़ के लिए घोषित कुल 21 सीटों में 10 ऐसे सीटें है जो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं, जबकि एक सीट अनुसूचित जाति के लिए। बाकी 10 सामान्य सीटों के लिए भी उम्मीदवारों की सूची जारी की गई है।

हारी हुई सीटों पर उम्मीदवारों का एलान

भाजपा ने दोनों राज्यों में जिन 60 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया है, उन सभी पर पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2018 में हार का सामना करना पड़ा था। मध्य प्रदेश की 39 सीटों में से 38 पर कांग्रेस और एक पर बसपा ने जीत दर्ज की थी। इसी तरह छत्तीसगढ़ में 21 में से 20 पर कांग्रेस और एक पर अजीत जोगी को जीत हासिल हुई थी।

चर्चा के बाद फैसला

सीईसी में छत्तीसगढ़ पर चर्चा हुई थी। इस दौरान राज्य की 90 विधानसभा सीटों पर सिलसिलेवार से चर्चा की गई। छत्तीसगढ़ को लेकर करीब दो घंटे बातचीत हुई। इसके बाद मध्यप्रदेश पर भी चर्चा की गई। पार्टी आला कमान मुख्य रूप से कमजोर सीटों पर केंद्रित थी।

पांच राज्यों में होने हैं चुनाव

दरअसल, आने वाले महीनों में देश के पांच राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं। भाजपा केवल मध्य प्रदेश में सत्ता में है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है, जबकि तेलंगाना में बीआरएस सत्ता में है।

छत्तीसगढ़ की 21 सीटों पर घोषित उम्मीदवारों के नाम

उम्मीदवार का नाम	विधानसभा सीट
भूलन सिंह मरावी	प्रेमनगर
लक्ष्मी राजवाड़े	भटगांव
शकुंतला सिंह पोर्थे	प्रतापपुर (अजजा)
रामविचार नेताम	रामानुजगंज (अजजा)
प्रबोज भींज	लुन्द्र (अजजा)
महेश साहू	खरसिया
हरिश्चन्द्र राठिया	धर्मजागढ़ (अजजा)
लखनलाल देवांगन	कोरबा
प्रणव कुमार मरपच्ची	मरवाही (अजजा)
सरला कोसरिया	सरायपाली (अजा)
अलका चंद्राकर	खल्लारी
इन्द्रकुमार साहू	अभानपुर
रोहित साहू	राजिम
श्रवण मरकाम	सिहावा (अजजा)
देवलाल हलवा ठाकुर	दौंडी लोहारा (अजजा)
विजय बघेल, सांसद	पाटन
विक्रांत सिंह	खैरागढ़
मनिराम कश्यप	बस्तर (अजजा)
संजीव साहा	मोहला मानपुर (अजजा)
आशाराम नेताम	कांकेर (अजजा)
गीता घासी साहू	खुज्जी

इन दिनों

✍ राहुल संपाल

छग-मप्र के उम्मीदवारों का एलान

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। मध्य प्रदेश की 39 और छत्तीसगढ़ की 21 विधानसभा सीटों पर पार्टी ने प्रत्याशी घोषित कर दिए गए है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के एक दिन बाद ही सूची जारी कर भाजपा ने इन विधानसभा चुनाव में बढ़त बनाने की कोशिश की है। पार्टी ने उन सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं जहां कांग्रेस के कद्दावर नेताओं का कब्जा है। इसमें भी ज्यादातर वो सीटें हैं, जहां भाजपा लगातार दो या तीन बार चुनाव हार रही है। ऐसा पहली बार हुआ है कि भाजपा ने चुनाव की घोषणा से पहले ही उम्मीदवारों का एलान किया है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की ये सभी वो सीटें हैं जहां वर्तमान में कांग्रेस का कब्जा है। आंतरिक सर्वे में भी इन सीटों पर पार्टी की स्थिति ठीक नहीं पाई गई थी। पार्टी की कोशिश है कि उम्मीदवारों के नामों का एलान पहले करने से उन्हें तैयारी करने का मौका मिलेगा। इससे इन सीटों पर जीतने की संभावना बढ़ सकती है। कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाली इन सीटों को भाजपा ने आकांक्षी सीट नाम दिया है। मध्य प्रदेश की पहली सूची में 2018 में चुनाव हारे 14 चेहरे को फिर से मौका दिया गया है। इनमें चार मंत्री ललिता यादव, लालसिंह आर्य, ओम प्रकाश धुर्वे और नाना भाऊ मोहोड़ शामिल है। एमपी की पहली सूची में सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर एक पूर्व विधायक रणवीर जाटव का टिकट कट गया है। जाटव 2018 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे। उपचुनाव में वे भाजपा से चुनाव लड़े थे। लेकिन वे हार गए थे। छत्तीसगढ़ की 21 सीटों में 10 सीटें अनुसूचित जनजाति की है। एक सीट अनुसूचित जाति वर्ग को दी गई है। पाटन सीट से सांसद विजय सिंह बघेल को मैदान में उतारा गया है। इस सीट से प्रदेश के सीएम भूपेश बघेल विधायक है। दोनों नेताओं के बीच भतीजे-काका का रिश्ता है। पार्टी ने अपनी पहली सूची में पांच महिला उम्मीदवारों को मौका दिया है। मध्य प्रदेश में कुल 103 आकांक्षी सीटें हैं जहां पिछली बार बीजेपी चुनाव हार गई थी। इसके अलावा 22 ऐसी सीटें हैं, जिस पर पार्टी का जीत का मार्जिन एक हजार से कम था। जबकि छत्तीसगढ़ की 25 आकांक्षी सीट है। जहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है। इन सीटों पर हर बार भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ता है। चर्चा में पार्टी के वरिष्ठ नेता कहा कि, इन हारी हुई सीटों को जीतने के लिए भाजपा ने फरवरी माह से रणनीति बनाना शुरु कर दिया था। संगठन ने इन सीटों पर हारे हुए बूथों को जीतने से लेकर प्रत्याशियों के चयन की एक्सरसाइज पूरे छह माह तक की। फिर इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई। इसमें क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार चयन किया गया। दोनों राज्यों के संगठनों ने यह अपनी अपनी रिपोर्ट बुधवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में रखी थी। इसके बाद यह पहली सूची गुरुवार को जारी की गई।

राम मंदिर आंदोलन में गोली खाने वालों को मिलेगा सम्मान

अयोध्या। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण कार्य जोरशोर से चल रहा है। जनवरी में इसका उद्घाटन होना है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भगवान राम के मंदिर के लोकार्पण के साथ-साथ उन लोगों को भी सम्मान देने की योजना बना रहा है, जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राण गंवाए थे। इन वीर शहीदों को सम्मान देने के लिए ट्रस्ट की बैठकों में कई माध्यमों पर चर्चा हुई है। इन लोगों के नाम पर मूर्तियां, स्मारक और सड़कों-भवनों के नाम रखने जैसे विकल्पों पर विचार किया गया है। अंतत: अयोध्या में बनने वाले प्रस्तावित राम म्यूजियम में ऐसे सभी शहीदों को स्थान देकर उन्हें सम्मान देने की योजना पर अंतिम सहमति बन सकती है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सूत्रों ने अमर उजाला को बताया कि ट्रस्ट की बैठकों में इस बात पर गंभीरतापूर्वक विचार

किया गया है कि राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले राम भक्तों को भी उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। कुछ सदस्यों ने इन राम भक्तों की मूर्तियां स्थान-स्थान पर लगवाने का प्रस्ताव किया तो कुछ ने इनके नाम पर अयोध्या की सड़कों-चौराहों के नामकरण का प्रस्ताव दिया है।इस प्रस्ताव को स्वीकार करने में सबसे बड़ी बाधा यह रही कि राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राण गंवाने वाले राम भक्तों की संख्या की ठीक-ठीक जानकारी नहीं है। लगभग पांच सौ वर्ष लंबे चले राम मंदिर आंदोलन में हजारों लोगों के मारे जाने का दावा किया जाता है। 1990 के दशक में चले आंदोलन से पूर्व के आंदोलनों में अपने प्राण गंवाने वाले राम भक्तों के विषय में ठीक-ठीक सूचना पाना भी कठिन हो सकता है। इनकी संख्या भी बहुत अधिक हो सकती है और इस कारण सबकी मूर्तियां बनवाना संभव नहीं हो सकता है। यही कारण है कि अपने प्राण गंवाने वाले ऐसे सभी राम भक्तों के लिए अलग-अलग मूर्तियां बनवाने के विचार को उपयुक्त नहीं पाया गया।

इस पर सहमति

सबसे अधिक सहमति इस बात पर बन रही है कि जितने भी राम भक्तों के आंदोलन में मारे जाने की बिल्कुल ठीक-ठीक सूचना है, उन्हें एक म्यूजियम में स्थान दिया जा सकता है। लाइट एंड साउंड शो और चलचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से इन राम भक्तों की आंदोलन में भूमिका को याद किया जा सकता है और इसके माध्यम से उन्हें सम्मान दिया जा सकता है। ठीक इसी तरह का प्रयोग गुजरात में महात्मा गांधी की जीवनी को लोगों तक पहुंचाने के लिए और काशी में भगवान शिव की महिमा को लोगों तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। बहुत संभावना है कि इसी तर्ज पर राम मंदिर आंदोलन में अपनी जान गंवाने वाले राम भक्तों को याद किया जाए और उनके कार्यों को सम्मान दिया जाए।

चंद्रयान 3 के विक्रम लैंडर को चांद के सतह पर उतरने की आखिरी 100 किलोमीटर की यात्रा खुद करनी है। उसे अपने इंजनों यानी थ्रस्टर्स का इस्तेमाल करके अपनी गति धीमी करनी है। साथ ही ऊंचाई भी कम करनी है। 17 अगस्त यानी आज ही के दिन विक्रम लैंडर अपने प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग हो गया है।

प्रमुख समाचार

आपदा के समय ना हो राजनीति, बरसे अनुराग ठाकुर

नईदिल्ली। राज्य में व्यापक विनाश के बारे में बोलते हुए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा बिहारी वास्तुकारों का उल्लेख करने पर विपक्ष ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। हालांकि, अपने बयान पर सुक्खू ने आज सफाई दी

पर वह विपक्ष के निशाने पर आ गए है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी उनपर निशाना साधा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में (बारिश, भूस्खलन के कारण) कई लोगों की जान चली गई है और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि आपदा ने गंभीर संकट खड़े किए है। सीएम के बयान पर उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को अपमानित करने का कोई कारण नहीं था। सभी को मिलकर काम करना होगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ दल, विशेषकर कांग्रेस, इस पर राजनीति कर रहे हैं। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे राजनीति बंद करें और संकट की इस घड़ी में मिलकर काम करें।% केंद्र सरकार हरसंभव मदद कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं 20-21 अगस्त को हिमाचल प्रदेश का दौरा करूंगा और प्रभावित लोगों से मुलाकात करूंगा।

मोदी को मणिपुर जाना चाहिए था, बोले शरद पवार

नईदिल्ली। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि प्रधानमंत्री को मणिपुर जाना चाहिए था। इसके साथ ही उन्होंने कहा मणिपुर को

लेकर प्रधानमंत्री गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश में लोगों को बांटने की राजनीति कर रही है। बीड में एक रैली में कहा उन्होंने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर जा कर वहां के लोगों की पीड़ा को जाननाचाहिए था। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर निसाना साधते हुए कहा कि आप स्थिर सरकार देने की बात करते हैं, लेकिन राज्यों में निर्वाचित सरकारों को गिरा देते हैं। लालकिले से मोदी के दिए भाषण पर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री मोदी ने कहा मी पुन्हा येइन (मैं फिर आऊंगा) मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि ऐसी ही बात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने भी कही थी और वह सत्ता में आए लेकिन निचले पद पर। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को आज जेल में डाला जा रहा है।

लाल किले से मोदी फिर राष्ट्र को संबोधित करेंगे: फडणवीस

नईदिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को भाजपा पर हमला करते हुए पार्टी पर विभिन्न राज्यों में विधिवत निर्वाचित सरकारों को तोड़ने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी द्वारा लालकिले से दिए गए भाषण पर तंज कसा। उन्होंने 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री मोदी ने कहा मी पुन्हा येइन (मैं फिर आऊंगा) मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि ऐसी ही बात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कही थी और वह सत्ता में आए लेकिन निचले पद पर। अब इसी को लेकर देवेंद्र फडणवीस की ओर से पलटवार किया गया है। शरद पवार का नाम लिए बिना फडणवीस ने पलटवार करते हुए कहा, ''पिछली बार, मैंने कहा था 'मैं वापस आऊंगा' और मैं देख सकता हूं कि उस बयान का 'भय' अभी भी बरकरार है। कुछ लोग अभी भी भयभीत हैं। मैं उन्हें एक बात बताना चाहूंगा कि जब मैंने ये कहा कि 'मैं वापस आऊंगा', तो लोग वास्तव में मुझे वापस ले आए लेकिन कुछ लोगों ने हमें धोखा दिया।''

अदालत कृष्ण की भूमिका निभाएगा या धृतराष्ट्र की : महबूबा

नईदिल्ली। अनुच्छेद 370 को रद्द करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इन सब के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को कहा कि इस देश के लोगों को शीर्ष अदालत

पर भरोसा है। हिंदू पौराणिक कथा महाभारत का जिक्र करते हुए उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या शीर्ष अदालत इस मामले में भगवान कृष्ण या द्रिधराष्ट्र की भूमिका निभाएगी। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, पत्रकारों से बात करते हुए मुफ्ती ने कहा, हमें सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद है कि वह न्याय करेगा। हमारा संघर्ष यहीं खत्म नहीं होता है। हमारा संघर्ष जारी रहेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। बुधवार को, मुफ्ती ने कहा था कि 1947 में भारतीयों द्वारा जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों से किया गया वादा सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा चल रहा था, जिसमें सौभाग्य से उन्हें अभी भी कुछ विश्वास है।

पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन की तबीयत बिगड़ी

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री, बिहार सरकार के पूर्व उद्योग मंत्री और भाजपा के वरीय नेता सैयद शाहनवाज हुसैन की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। दिल्ली एम्स में उन्हें भर्ती करवाया गया है। डॉक्टरों की

पूरी टीम उनका इलाज कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। अमर उजाला से बातचीत करते हुए पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने बताया कि बदलते मौसम और खान-पान अस्थिरता के कारण तबीयत अचानक गड़बड़ा गई। डॉक्टरों ने वायरल निमोनिया होने की बात कही है। सभी विभाग के डॉक्टर जांच कर रहे हैं। डॉक्टर ने रेस्ट की सलाह दी है। शुक्रवार को रिपोर्ट आएगा। डिस्चार्ज का पता कल चलेगा। फिलहाल एम्स में इलाज चल रहा है। इधर, अचानक पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन की तबीयत बिगड़ने से उनके समर्थक काफी चिंतित हो गए। समर्थक अपने नेता की सलामती की दुआ कर रहे है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भी फोन पर उनका हाल-चाल लिया।

2024 के चुनावी दंगल में सियासतदानों के गले की फांस बनेगा डीप फेक

आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस को लेकर दुनिया भर में चर्चा हो रही है। कोई इसके फायदे गिना रहा है तो कोई नुकसान बता रहा है। भारत में सियासतदानों को इसका जोखिम नजर आने लगा है। चूंकि इसकी मदद से डिजिटल मीडिया में आसानी से झूठी बातों को फैलाया जा सकता है, इसलिए देश के कई राजनेता इस नई तकनीक से चिंतित हैं। कई पार्टियों के सांसद, केंद्रीय गृह मंत्रालय से पूछ रहे हैं कि विभिन्न जांच एजेंसियों ने डीप फेक के मामलों में क्या कदम उठाया है। क्या सरकार, चुनाव में डीप फेक के खतरों से अवगत है। सियासतदानों को यह भय सता रहा है कि 2024 के चुनावी दंगल में ये डीप फेक, कहीं उनके गले की फांस न बन जाए। चुनाव में ऑर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के जरिए डिजिटल प्लेटफार्म पर चेहरे बदलने के खतरे ने उनकी नींद उड़ा दी है।

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह, प्रमोद तिवारी, प्रियंका चतुर्वेदी, डॉ. एल हनुमंतय्या, डॉ. अमी याज्ञिक और रंजीत रंजन ने मानसून सत्र में %डीप फेक% का मामला उठाया था। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय से पूछा था कि क्या सरकार इस तथ्य से अवगत है कि देश में डीप फेक के मामले आ रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाली विभिन्न एजेंसियों ने डीप फेक के मामलों में क्या कार्रवाई की है। क्या सरकार चुनाव में डीप फेक के खतरों से अवगत है। सरकार द्वारा डीप फेक का पता लगाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। ऐसा करने के लिए किस प्रकार की एजेंसियों को नियोजित किया गया है।

फौरी तौर पर पहुंच सकता है भारी नुकसान

केंद्र सरकार के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सियासतदानों की यह चिंता वाजिब है। आज कल सोशल मीडिया पर इस तरह के मामले देखने को मिल रहे हैं। पहले ऐसे मामलों में विशेष तकनीकी जानकारी हासिल करनी पड़ती थी। उसके बाद ही कोई व्यक्ति किसी दूसरे के फोटो के साथ छेड़छाड़ कर सकता था। अब ऑर्टिफिशयल इंटेलिजेंस ने सभी लोगों को यह अवसर दे दिया है। इस माध्यम से जो सूचनाएं फैलाई जाती हैं, भले ही उसका आधार फेक ही क्यों न हो, लेकिन वे फौरी तौर पर भारी नुकसान पहुंचाने के लिए काफी हैं। वह नुकसान, किसी उपद्रव के रूप में हो सकता है, बड़े राजनेता की छवि खराब कर चुनावी नतीजों को प्रभावित करना हो सकता है। अगर वैश्विक स्तर के नेताओं का चेहरा लेकर कोई फेक वीडियो वायरल किया जाता है तो दो देशों के बीच में संबंध खराब हो सकते हैं। %डीप फेक% के माध्यम से दुष्प्रचार और अफवाहें फैलाई जाती हैं। आतंकी एवं चरमपंथी संगठन या साइबर हैकर, डीप फेक का गलत इस्तेमाल करते हैं। %डीप फेक% में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए डिजिटल मीडिया में हेरफेर की जाती है। ऑडियो, वीडियो या फोटो में चेहरा बदल दिया जाता है।

सबसे बड़ा जोखिम है पोर्नोग्राफी

चुनाव में इसका ज्यादा इस्तेमाल होने की संभावना है। वजह, उसमें लोगों के पास सोचने या सच को पहचानने का वक्त नहीं होता। आरोप प्रत्यारोप का दौर चलता है। कई बार बड़े नेता, पार्टी या अन्य किसी मशहूर हस्ती को नुकसान पहुंचाने के लिए डीप फेक की मदद ली जाती है। वीडियो, फोटो लेखन सामग्री और आवाज, इन सभी को बदला जा सकता है। इसके माध्यम से झूठे सबूत भी तैयार किए जा सकते हैं। डीप फेक का सबसे बड़ा जोखिम पोर्नोग्राफी है। चेहरों में बदलाव कर सामग्री को अश्लील वेबसाइटों पर डाला जा सकता है। इसके माध्यम से छवि खराब करने का प्रयास होता है। सरकार और विपक्ष के बीच जो खींचतान चलती है, अब उसे भी डीप फेक के जरिए नया रूप दे दिया जाता है। लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास होता है। लोगों में अराजकता पैदा करने की कोशिश की जाती है।

डीप फेक की फ्लैगिंग करने व नियंत्रित करने का प्रयास

गृह मंत्रालय अजय कुमार मिश्रा ने बताया, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अपनी विधि प्रवर्तन एजेंसियों एलईए के माध्यम से डीप फेक के मामलों समेत अपराधों की रोकथाम करने, उनका पता लगाने, जांच करने और अभियोजन चलाने के लिए प्राथमिक रूप से जिम्मेदार हैं। विधि प्रवर्तन एजेंसियां, साइबर क्राइम में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कानून के प्रावधानों के अनुसार, विधिक कार्यवाही करती है।

वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में युवाओं के योगदान से समाज को गति मिलेगी : रंजना

■ ग्राम सोरम में झिरिया साहू समाज परिक्षेत्र रुद्री के लिए विधायक रंजना साहू के विधायक निधि से स्वीकृत शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया

धमतरी। हर्ष की बात है की माँ कर्मा कि कृपा से परिक्षेत्र साहू समाज रुद्री के सामाजिक भवन परिसर ग्राम सोरम मे विधायक निधि से स्वीकृत शेड निर्माण का भूमि पूजन मान. विधायक महोदया रंजना डिपेंद्र साहू जी के कर कमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवनेंद्र साहू जी अध्यक्ष जिला साहू संघ धमतरी ने किया।सर्वप्रथम साहू समाज की आराध्य देवी भक्त माता कर्मा की पूजा अर्चना की गई। भूमि पूजन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ समस्त समाज जनों की उपस्थिति में किया गया। स्वागत उद्बोधन परिक्षेत्र अध्यक्ष निरंजन साहू ने कहा कि समाज के विकास एवं निरंतर गतिशील बनाने के लिए साहू समाज के गौरव रंजना साहू जी का योगदान रहा है वह निरंतर क्षेत्र के साहू समाज के साथ-साथ अन्य समाजों के लिए विकास एवं नव जागृति लाने के लिए सतत प्रयत्न रहती है उनकी सक्रियता ही उनका प्रमाण है। विधायक रंजना साहू ने कहा कि जिला साहू संघ के द्वारा प्रत्येक साहू समाज के ग्राम इकाई में जाकर समाज के नीति नियमों की जानकारी देते हुए सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है जो सराहनीय पहल है यह पहल प्रदेश में सबसे पहले धमतरी जिला में प्रारंभ हुआ जो अन्य जिलों के लिए जनचेतना है, साहू समाज वृहत समाज है निरंतर धार्मिक आर्थिक सामाजिक राजनीतिक सभी क्षेत्रों में कार्य करते हुए नए प्रतिमान हासिल कर रहे हैं, अब समाज में युवाओं का योगदान अनिवार्य है क्योंकि आने वाले समय पर हमारे समाज के नीति नियम व संस्कार को वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन पर युवाओं को ही आगे लेके जाना होगा। जिला साहू संघ अध्यक्ष ने बताया कि समाजिक पदाधिकारी समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रयत्नशील है जो समाजिक विवेचना प्रत्येक तहसील परिक्षेत्र के ग्रामों में की गई है, वहां सामाजिक कुरीतियों का बहिष्कार करते हुए समाज के नवनिर्माण में सामाजिक बंधु जन अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैं जोकि सराहनीय है श्री साहू ने आगे कहा कि विधायक रंजना साहू के द्वारा धमतरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर तोरन साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, केकती साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, श्यामा देवी साहू प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, गोपाल साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ, उमेश साहू सांसद प्रति निधि, अनुपमा साहू जी सदस्य जनपद पंचायत धमतरी, रुद्री परिक्षेत्र के अध्यक्ष निरंजन साहू, गोहद राम साहू डा. ललित साहू, रोशन साहू , उषा साहू, केशव साहू, द्वारका प्रसाद, सदाराम, केशव साहू, फागूराम, रामकृष्ण, शिवनारायण साहू चंद्रकला साहू, ध्रुव कुमार साहू, सहित रुद्री परीक्षेत्र के सभी ग्रामीण अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ,सचिव सह सचिव , कोषाध्यक्ष एवं साहू समाज के सामाजिक बंधु जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 सितंबर को होगा

राजनांदगांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 9 सितंबर 2023 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय राजनांदगांव, व्यवहार न्यायालय-खैरागढ़, डोंगरगढ़, अंबागढ़ चौकी, छुईखदान एवं राजस्व न्यायालय में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आलोक कुमार के मार्गदर्शन में होगा। लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आलोक कुमार द्वारा संबंधित न्यायाधीश, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधियों के साथ लगातार बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय राजनांदगांव, व्यवहार न्यायालय-खैरागढ़, डोंगरगढ़, अंबागढ़ चौकी, छुईखदान एवं राजस्व न्यायालय के विभिन्न प्रकरणों तथा प्री-लिटिगेशन का निराकरण किया जायेगा। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय में राजीनामा योग्य अपराधिक प्रकरणों, धारा-138, परक्राम्य लिखत अधिनियम, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, सिविल प्रकरण, निष्पादन प्रकरण, विद्युत संबंधी मामलों व पारिवारिक विवाद के मामलों का निराकरण किया जाना है। इसके अतिरिक्त बैंक, विद्युत विभाग, दूरसंचार विभाग, नगर पालिका परिषद् में वसूली संबंधी लंबित प्रकरण प्री-लिटिगेशन प्रकरण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रस्तुत किये जायेंगे, जो विधिवत पंजीयन उपरांत संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी कर लोक अदालत में निराकृत किये जायेंगे। यदि कोई भी व्यक्ति लोक अदालत के माध्यम से अपना प्रकरण निराकृत करना चाहता है, तो वह 9 सितंबर 2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना प्रकरण निराकृत करा सकता है। इस बार भी हाईब्रिड लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पक्षकार व अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित होकर व अपने घरों से भी वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आपसी सहमति से प्रकरणों का निराकरण करेंगे। लोक अदालत के सफल संचालन हेतु राजनांदगांव जिला न्यायालय की वेबसाइट पर लिंक की सहायता से पक्षकारों को घर बैठे सीधे लोक अदालत की खण्डपीठ से जुड़ने में सहायता मिलेगी। यदि कोई पक्षकार उक्त लोक अदालत के माध्यम से अपना राजीनामा योग्य प्रकरण निराकृत करवाना चाहते हैं, तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव अथवा अपने अधिवक्ता से संपर्क कर सकते हैं। इस तरह पक्षकार अपने न्यायालयीन प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा पक्षकारों से अपील की जाती है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नेशनल लोक अदालत को सफल बनाये।

तीन यूनियनों ने बिजली बिल हाफ योजना का लाभ देने प्रबंधक के सामने रखी मांग

दल्ली राजहरा। नगर के 3 श्रमिक संगठन, हिंदुस्तान स्टील एम्पलाइज यूनियन (सीटू), संयुक्त खदान मजदूर संघ (एटक), एवं छत्तीसगढ़ माइंस श्रमिक संघ के अध्यक्षों ने संयुक्त रूप से डायरेक्टर इंचार्ज भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई के नाम मुख्य महाप्रबंधक (आईओसी) राजहरा को श्रमिकों की ओर से मांग पत्र सौंपा है , पत्र अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य शासन के द्वारा राज्य में निवासरत सभी उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ योजना के अंतर्गत बिजली बिल में आधा छूट का लाभ वर्ष 2019 से दिया जा रहा है द्य किंतु भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के अधीनस्थ कैपिटल माइंस के कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है द्य हमारी यूनियनों के द्वारा बीएसपी महाप्रबंधक एवं छत्तीसगढ़ राज्य के कैबिनेट मंत्री अनिला भेड़िया से भी छत्तीसगढ़ राज्य शासन के द्वारा दी जा रही बिजली बिल हाफ योजना का लाभ बीएसपी टाउनशिप में निवासरत सभी निवासियों को देने के लिए मांग की गई थी। गत वर्ष में मुख्यमंत्री

भूपेश बघेल के राजहरा आगमन के समय टाउनशिप के निवासियों को बिजली बिल हाफ योजना का लाभ देने के लिए मांग प्रमुखता से उनके समक्ष रखी गई थी। यूनियन प्रतिनिधियों ने बताया कि विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से हमें यह जानकारी मिली है कि बिजली बिल हाफ योजना का लाभ भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप निवासियों को आगामी 1 सितंबर 2023 से दिया जाना तय हुआ है किंतु भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिनस्थ माइंसों के टाउनशिप निवासियों के लिए आधा बिजली बिल योजना का लाभ सुनिश्चित नहीं किया गया है।

इसी तरह भिलाई इस्पात संयंत्र के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए आवास आबंटन योजना बहुत पहले से लागू किया गया है किंतु आईओसी राजहरा में इस योजना को भी अभी तक लागू नहीं किया गया है। जबकि इस मामले को आपके समक्ष एवं पूर्व सेल चेयरमैन के राजहरा प्रवास के दौरान प्रमुखता से रखा गया था। उस समय हमें पूरी तरह आश्वस्त किया गया था कि इस मामले को अति शीघ्र हल किया जाएगा तथा राजहरा टाउनशिप में भी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए लाइसेंस पद्धति से आवास आबंटन प्रक्रिया शुरू कर दिया जायेगा। किन्तु इसे अभी तक लागू नहीं किया जा सका है अत: यूनियन की ओर से दो प्रमुख बिंदु पर मांग रखी गई है। जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप की तरह लौह नगरी दल्ली राजहरा में भी 1 सितंबर 2023 से बिजली बिल हाफ योजना बीएसपी टाउनशिप में भी लागू किया जाए इस तरह राजहरा टाउनशिप निवासियों को भी बिजली बिल में छूट दिया जाए एवं आईओसी राजहरा में भी सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए लाइसेंस पद्धति से आवास आबंटन योजना अति शीघ्र लागू किया जाए।

रायगढ़ स्टेशन में 3 जोड़ी एक्सप्रेस गाड़ियां रुकेंगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के रायगढ़ स्टेशन में 3 जोड़ी एक्सप्रेस गाडियों का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । जिसमें गाड़ी संख्या 17005/17006 हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 13426/13425 सूरत-मालदा-सूरत एक्सप्रेस तथा गाड़ी संख्या 22894/22893 हावड़ा- साईंनगर शिरडी-हावड़ा एक्सप्रेस शामिल है।

गाड़ी संख्या 17005 हैदराबाद - रक्सौल एक्सप्रेस का 18 अगस्त से तथा गाड़ी संख्या 17006 रक्सौल - हैदराबाद एक्सप्रेस का 21 अगस्तसे रायगढ़ स्टेशन में ठहराव की सुविधा उपलब्ध रहेगी।गाड़ी संख्या 17005 हैदराबाद - रक्सौल, रायगढ़ स्टेशन 16.21 बजे पहुंचेगी तथा 16.23 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 17006 रक्सौल - हैदराबाद, रायगढ़ स्टेशन 02.49 बजे पहुंचेगी तथा 02.51 बजे रवाना होगी।

गाड़ी संख्या 13426 सूरत - मालदा एक्सप्रेस का 22 अगस्त से तथा 13425 मालदा - सूरत एक्सप्रेस का 20 अगस्त से रायगढ़ स्टेशन में ठहराव की सुविधा उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 13426 सूरत - मालदा, रायगढ़ स्टेशन 10.51 बजे पहुंचेगी तथा 10.53 बजे रवाना होगी।इसी प्रकार गाड़ी संख्या 13425 मालदा - सूरत, रायगढ़ स्टेशन 05.48 बजे पहुंचेगी तथा 05.50 बजे रवाना होगी।

गाड़ी संख्या 22894 हावड़ा - साईंनगर शिरडी एक्सप्रेस का 24 अगस्त से तथा 22893 साईंनगर शिरडी - हावड़ा एक्सप्रेस का 27 अगस्त से रायगढ़ स्टेशन में ठहराव की सुविधा उपलब्ध रहेगी। गाड़ी संख्या 22894 हावड़ा - साईंनगर शिरडी, रायगढ़ स्टेशन 23.09 बजे पहुंचेगी तथा 23.11 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 22893 साईंनगर शिरडी - हावड़ा, रायगढ़ स्टेशन 09.46 बजे पहुंचेगी तथा 09.48 बजे रवाना होगी।

गंभीर स्थिति में बच्चे का सफल इलाज पर परिवार ने शहीद अस्पताल का माना आभार

दल्लीराजहरा। नगर व जिले का सबसे बड़ा शहीद अस्पताल गरीबों के लिए वरदान बना हुआ है। गंभीर स्थिति में आये मरीज इस अस्पताल में आज के महंगाई के युग में कम खर्च में अपने बीमारी का सफल ईलाज करा के स्वस्थ्य लाभ ले रहे है। ऐसे मामले अक्सर इस अस्पताल में देखने को मिलता है।जब आज निजी अस्पताल के डॉक्टर मरीज के गंभीर ईलाज के लिए अपने हाथ खड़े कर देते हैं तब वे मरीज इस अस्पताल में अपना ईलाज करा कर स्वस्थ हो कर अपने परीवार के साथ घर जाते है। इसी प्रकार का मामला शहीद अस्पताल में प्रकाश में आया है ।एक 5 साल का बच्चा अमृत कुछ भी खाता था सब उल्टी में बाहर आ जाता था बच्चे के पालक इस समस्या को लेकर बच्चे को शहीद अस्पताल में भर्ती कराया उस बच्चे को यह समस्या 1 माह से थी ।बच्चा देखने में कुपोषित दिख रहा था । बच्चे के परिजनों ने बताया की बच्चा एक महिने पहले खेलते खेलते घर के बाहर रखी गाड़ी में एसिड को पी लिया था उसे तुरंत अस्पताल ले कर गये थे ज्यादा समस्या न होने के कारण बच्चे को एक दो दिन में डॉक्टरों ने छुट्टी दे

दिये। अस्पताल से बच्चे को घर लाने के बाद बच्चा कुछ भी खाता था वह उल्टी हो जाता। यह सिलसिला लगातर होने लग गया फिर बच्चे को पास के अस्पताल में भर्ती किया गया पर समस्या ठीक नही हुई। बच्चे के पालक बच्चे को कई अस्पताल में दिखाया बच्चे की समस्या बढ़ते ही जा रही थी। तब बच्चे के माता पिता डॉक्टर के कहने पर शहीद अस्पताल में ले जाने की सलाह पर ईलाज के बच्चे को शहीद अस्पताल में ले कर दिखाएं शहिद अस्पताल के डॉ. शैबाल जाना के मार्ग दर्शन में डॉक्टरों की टीम मेडिकल स्टाफ बच्चे के ईलाज में लग गये। बच्चे की बीमारी जानने के लिए उसकी पूरी जांच की गयी। जांच रिपोर्ट में पता चला की बच्चे के पेट की थैली में रूकावट की समस्या है और यह समस्या ऐसिड के पीने से हुई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जनपद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने किया राशन दुकान का निरीक्षण

नगरी। विगत दिनों जनसंपर्क दौरान वनांचल क्षेत्र ग्राम बरौली में दिनेशवरी नेताम अध्यक्ष जनपद पंचायत नगरी एवं हुमीत कुमार लिमजा उपाध्यक्ष द्वारा आज जनों से मुलाकात कर राशन दुकान का निरीक्षण किया गया । जिसमें बरौली के राशन दुकान में कट्टीगांव, सिंगनपुर, और मारियामारी के ग्रामीणों ने बताया कि कट्टीगांव ग्राम पंचायत मुख्यालय होने के बावजूद वहां राशन दुकान नहीं है। वे लोग अपने गांव से 5 किलोमीटर दूर राशन लेने बरौली दुरगम पहाड़ी होते आना पड़ता है। और वाहन किराया कर हर माह राशन लेने बरौली आते हैं। कई बार अव्यवस्था के चलते बहुत लोगों को कोई कोई माह राशन नहीं मिलता। उन्होंने अपनी व्यथा जनपद पंचायत अध्यक्ष के पास रखी। अध्यक्ष ने तुरंत फोन लगाकर खाद्य विभाग से जानकारी ली जिसमें खाद्य निरीक्षक ने बताया कुछ वर्ष पहले कट्टीगांव में राशन दुकान संचालित किया जाता था लेकिन अव्यवस्था के चलते वहां के उपभोक्ता को बरौली से राशन दिया जा रहा है। जल्द ही व्यवस्था करने की बात कही।

बॉयलर फटने से पांच मजदूर झुलसे, तीन की हालत गंभीर

कोरबा। कोरबा में एसीबी पावर प्लांट में बॉयलर फटने से 5 मजदूर झुलस गए हैं। तीन मजदूरों को न्यू कोरबा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वहीं, 2 लोगों प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। बॉयलर फटने का क्या कारण है इसकी सूचना भी अभी नहीं मिली है। दीपका स्थित में एसीबी पावर प्लांट में बॉयलर फट गया। बॉयलर के फटने से प्लांट के अंदर हड़कंप काम मच गया। बताया जा रहा है कि घटना देर रात लगभग 2.00 बजे हुई है। नाइट शिफ्ट में कर्मचारी काम कर रहे थे। इस दौरान अचानक बॉयलर फटने की आवाज सुनाई दी। वहीं, बॉयलर के पास काम कर रहे पांच मजदूर उसकी चपेट में आ गए। घायलों को तत्काल एसईसीएल स्थित अस्पताल में लाया गया, जहां चार की हालत बेहद गंभीर थी। उन्हें कोरबा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, एक कर्मचारी को प्राथमिक उपचार के बाद दे दी गई। इंजीनियर राजू साहू, ऑपरेटर प्यारेलाल पटेल, हेल्फर अजय तिर्की, हेल्पर आदित्य कुमार का इलाज चल रहा है।

पेट्रोल टैंकर में आग लगने से एक घंटे तक एनएच रहा बंद

कबीरधाम। पिपरिया थाना क्षेत्र के पनेका गांव में गुरुवार सुबह करीब 11 बजकर 30 मिनट पर पेट्रोल से भरे एक टैंकर में आग लग गई। आग लगने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जिस जगह में हादसा हुआ है, वह कवर्धा-रायपुर नेशनल हाईवे है। आग लगने से एक घंटे तक नेशनल हाईवे पर जाम लगा रहा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पिपरिया थाना पुलिस व फायर बिग्रेड की टीम पहुंची। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पिपरिया थाना प्रभारी भूषण एक्का ने बताया कि ट्रक क्रमांक एमएच सीई 9994 जबलपुर से रायपुर जा रहा था। ट्रक के पीछे के चक्के के बीच में घर्षण हुआ, जिसके कारण आग गई। आग लगने के कारण ट्रक के पीछे के छह चक्के जलकर खाक हो चुके हैं। राहत की बात है कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई है।

अब ग्रामीण छात्रों को पढ़ाई के लिए नहीं छोड़ना पड़ेगा घर

बेमेतरा। साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रविंद्र चौबे ने बेमेतरा जिले में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। उन्होंने बेरला ब्लॉक के ग्राम पंचायत देवरबीजा मे नवीन शासकीय कॉलेज का फीता काटकर शुभारंभ किया। इसके अलावा मंडी बोर्ड सीसी रोड के निर्माण के लिए 9 लाख रुपये, मंडी बोर्ड हाट बाजार के लिए 41 लाख रुपये का लोकार्पण किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रविंद्र चौबे ने 1 करोड़ 52 लाख 14 हजार रुपये के विकास कार्यों भूमिपूजन किया है। इसमें सुगम सड़क योजना ग्राम कोदवा सीसी रोड के लिए 19.73 लाख, मानियारी सीसी रोड के लिए 19.73 लाख, साहू समाज भवन निर्माण के लिए 5 लाख व कुमारी देवी चौबे खेल मैदान मे मिनी स्टेडियम व व्यवसायिक परिसर के लिए 1 करोड़ 7 लाख 68 हजार रुपये शामिल हैं। ग्राम पंचायत देवरबीजा में कॉलेज शुभारंभ कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रारंभ होने से यहां के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को कॉलेज पढ़ाई के लिए घर छोड़ने से मुक्ति मिलेगी।

कटघोरा को जिला बनाने की मांग, रंधावा भूख हड़ताल पर

कोरबा। कटघोरा को जिला बनाओ अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी के उत्तम सिंह रंधावा आज से गुरुद्वारा के सामने पंडाल लगा कर क्रमिक भूख हड़ताल में बैठेगें। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी को पत्र सौंप दिया गया है। रायगढ़ भाजपा विधानसभा भाजपा का सह प्रभारी उत्तम सिह रंधावा का कहना है कि वर्तमान विधायक पुरुषोत्तम कंवर ने विधानसभा चुनाव के दौरान जीत हासिल करने कटघोरा को जिला बनाने का वादा किया गया था, जो कि अभी तक पूरा नहीं किया। रंधावा ने जिला बनाओ अभियान को लेकर कटघोरा से रायपुर 230 किलोमीटर का पैदल यात्रा भी कर चुके है। आंदोलन को विभिन्न संगठन ने भी समर्थन किया है। प्रदेश पंचायत छत्तीसगढ़ प्रकोष्ठ सह प्रभारी पवन गर्ग ने कहा कि भाजपा नेता के पहले मैं कटघोरा का निवासी हूं, इसलिए कटघोरा के लिए जो भी अच्छा सोचेगा, उसी के पक्ष में हैं। राजेश यादव प्रदेश कार्यक्रम योजना प्रभारी छत्तीसगढ़ ने कहा कि विधायक को अपना वादा पूरा करना चाहिए।

सांसद ज्योत्सना महंत ने शिकारा बोट निर्माण का भूमिपूजन किया

कोरिया। प्रकृति के गोद में बसे और हरियाली की चादर से ढंके छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के झुमका जलाशय शीघ्र पर्यटन के मानचित्र में शामिल होगा। सांसद ज्योत्सना चरण दास महंत ने झुमका जलाशय में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए हाऊस बोट, शिकारा बोट निर्माण का भूमिपूजन किया। जिला प्रशासन कोरिया ने पर्यटन की असीम संभावनाओं से भरे झुमका जलाशय को पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्य योजना तैयार की है ताकि जिले और छत्तीसगढ़ सहित देश के पर्यटक भी बड़ी संख्या में झुमका बांध पहुंच सके।

विदित हो कि 350 हेक्टेयर में फैले झुमका बांध को देखने यहां पर्यटकों का तांता लगा रहता है। विगत वर्ष %झुमका महोत्सव' बहुत ही धूमधाम से मनाया गया था, जिसमें जिले सहित आसपास के हजारों

पर्यटक यहां पहुंचे हुए थे। झुमका जलाशय के लिए लगभग तीन करोड़ रूपए की लागत से दो हाउस बोट एवं पांच शिकारा बोट का भूमिपूजन किया गया। सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने इस अवसर पर कहा कि यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि प्रकृति की इस अनमोल धरा पर अब संभवत: छत्तीसगढ़ का पहला शिकारा बोट इस झुमका जलाशय में होगा। श्रीमती महंत ने यह भी कहा अब कश्मीर, केरल जाने के बजाय कोरिया आकर शिकारा बोट का लुफ्त उठाएंगे। साथ ही यह झुमका जलाशय बालीवुड व छालीवुड के लिए भी काफी उपयोगी साबित होगी, उन्होंने हेलीपेड भी बनाने की बात कही ताकि देश के अलग-अलग राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच सके।

भूमिपूजन के अवसर पर संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव ने कहा कि झुमका जलाशय में पर्यटकों के लिए तमाम सुविधा उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ऐसे में यहां के रखरखाव की जिम्मेदारी हम सबकी है। जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि इस खूबसूरत झुमका जलाशय में जो विकास कार्यों की भूमिपूजन हो रहा है, वह कोरियावासियों को समर्पित हैं। हाउस बोट एवं शिकारा बोट हो जाने से छत्तीसगढ़ व देश के पर्यटक भी बड़ी संख्या में यहां आएंगे साथ ही उन्होंने यह भी कि स्थानीय लोगों को ही रोजगार दिया जाएगा। झुमका बांध में बांस से बने रेस्टोरेंट, शुलभ शौचालय, बच्चों के लिए खेल मैदान, आइसलैण्ड, उद्यान, मोटर बोट आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

भूमिपूजन के अवसर पर कोरिया जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदान्ती तिवारी, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशुतोष चतुर्वेदी नगर के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि प्रतीक गुप्ता, योगेश शुक्ला, नजीर अहमद, अशोक जायसवाल, अनिल जायसवाल, श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह, संगीता राजवाड़े, चन्द्रप्रकाश राजवाड़े, विनोद शर्मा, एसडीएम अंकिता सोम, डिप्टी कलेक्टर राकेश कुमार साहू, विनय कुमार कश्यप, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.टोप्पो सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व नगरवासी उपस्थित थे।

बारेगुड़ा के जंगलो में पुलिस और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़

बीजापुर। भोपालपटनम थाना क्षेत्र अंतर्गत बारेगुड़ा के जंगलों में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद जवानों ने वहां एक माओवादी कैंप ध्वस्त कर दिया।

एसपी आजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि भोपालपटनम थाना क्षेत्र के दम्मूर, बारेगुड़ा के जंगलों में नेशनल पार्क एरिया कमेटी के 20 से 25 सक्रिय माओवादियों के होने की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना भोपालपटनम से डीआरजी एवं महाराष्ट्र गढ़चिरौली, पातागुडेम से सी-60की संयुक्त टीम दम्मूर और बारेगुड़ा की और निकली थी। बुधवार को बारेगुडा के जंगलों में पहले से घात लगाकर बैठे माओवादियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। माओवादियों को जवानों ने आत्मसमर्पण के लिए भी कहा, लेकिन माओवादियों लगातार जवानों पर फायरिंग करते रहे।

जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए माओवादियों को मुंहतोड़ जवाब देकर फायरिंग शुरू कर दी। आधे घंटे तक मुठभेड़ के बाद जवानों को भारी पड़ता देख माओवादी जंगलों का सहारा लेकर वहां से भागने में कामयाब हो गए। घटनास्थल की सर्चिंग के दौरान मौके से विस्फोटक, डेटोनेटर, जिलेटिन स्टिक, माओवादी साहित्य, पिट्ठू बैग, टेंट लगाने का सामान एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री को बरामद किया गया है। वहीं, जवानों ने माओवादियों के कैंप को भी ध्वस्त कर दिया है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अनुच्छेद 370: उमर ने कहा- हमने सुको में श्रेष्ठ वकील चुना

दिल्ली। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कहा कि अभी लड़ाई जारी है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि इंसाफ जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के मामले में पूरी कोशिश की गई। बढ़िया वकील किए गए और उन्होंने अदालत में अपने तर्कों को बड़ी मजबूती के साथ रखा है। इस बात की उम्मीद है कि न्यायाधीश उनके तर्कों से आश्वस्त होंगे। उमर ने कहा कि पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में केस लड़ने के लिए कपिल सिब्बल और गोपाल सुब्रमण्यम को नियुक्त करने से बेहतर कुछ नहीं कर सकती थी। हमने सर्वश्रेष्ठ वकीलों को नियुक्त किया। कपिल सिब्बल और गोपाल सुब्रमण्यम देश के शीर्ष पांच वकीलों में से दो हैं। अब हमें सफलता देने के लिए भगवान से प्रार्थना करनी चाहिए।वहीं, डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आजाद के मुसलमान ज्यादातर हिंदू धर्म से धर्मांतरित वाले बयान के बारे में पूछे जाने पर उमर अब्दुल्ला ने कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने यह किस संदर्भ में कहा है।

नेहरू की पहचान उनका काम है, नाम नहीं : राहुल गांधी

नई दिल्ली। मोदी सरकार नेहरू संग्रहालय का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय रखने के विवाद में बुरी तरह से फंसती जा रही है। कांग्रेस इस फैसले को लेकर बेहद आक्रामक है और अब इसी मसले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी है और सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया है। लद्दाख यात्रा पर निकल रहे राहुल गांधी ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए नेहरू संग्रहालय का नाम प्रधानमंत्री संग्रहालय किये जाने पर कहा, नेहरू सिर्फ अपने नाम से नहीं, बल्कि अपने काम से जाने जाते हैं। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यह तीखी प्रतिक्रिया इस विवाद को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही जुबानी जंग के अगले दिन आई है। जिसमें कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कहा था कि भाजपा ने नेहरू की जगह प्रधानमंत्री लगाकर अपनी क्षुद्रता और चिड़चिड़ेपन को पेश किया है।

दिल्ली विधानसभा में मणिपुर मुद्दे पर जमकर हंगामा

नईदिल्ली। मणिपुर मुद्दे पर सदन में चल रहे हंगामे के बीच दिल्ली विधानसभा से चार भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को मार्शल ने बाहर कर दिया है। दिल्ली विधानसभा में मणिपुर मुद्दे को लेकर जमकर हंगामा हो रहा है। बीजेपी विधायक विजेंद्र गुप्ता का ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। हमने विधानसभा से वॉकआउट किया है। हम शीश महल और दिल्ली के मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। भाजपा विधायक ओपी शर्मा ने कहा कि यह सरकार दिल्ली के मुद्दों के ऊपर बात करने से बच रही है। हमने कहा कि मणिपुर का मामला मणिपुर की विधानसभा में चल रहा है। दिल्ली की विधानसभा में दिल्ली से जुड़े मामलों को उठाया जाना चाहिए। आम आदमी पार्टी विधायक दुर्गेश पाठक ने पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा पर अल्पकालिक चर्चा शुरू की जिसके बाद भाजपा विधायक विरोध में खड़े हो गए और कहा कि दिल्ली से संबंधित मुद्दों पर सदन में बहस होनी चाहिए।

मणिपुर पर चुप क्यों हैं पीएम मोदी : केजरीवाल

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र की भाजपा सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने मणिपुर मामले को लेकर पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने चीन को लेकर भी मौजूदा सरकार के रवैए पर निशाना साधा है। अरविंद केजरीवाल ने साफ तौर पर कहा कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री खामोश क्यों है? इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी पीएम चुप है। इस इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश जानना चाहता है कि आखिर प्रधानमंत्री की खामोशी की वजह क्या है? उन्होंने कहा कि चीन ने जमीन हड़पी, फिर भी पीएम चुप रहे। उन्होंने कहा कि बीजेपी पानी पी-पी पीकर नेहरू को गाली देती है। नेहरू ने आंख में आंख डालकर चीन से युद्ध किय। डिप्लोमेसी करने के लिए आंखे दिखानी होती है। केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी विधायक साफ कह रहे हैं कि उनका मणिपुर से कोई रिश्ता नहीं है।

टिपरा मोथा और कांग्रेस दो विधानसभा उपचुनाव में नहीं उतारेगी उम्मीदवार

अगरतला। टिपरा मोथा और कांग्रेस त्रिपुरा में दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता टिपरा मोथा के अनिमेष देबबर्मा ने कहा कि उनकी पार्टी सिपाहीजला जिले के धनपुर और बोक्सानगर विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी। उन्होंने कहा, चुनाव लड़ने में बहुत सारे संसाधन, पैसा, जनशक्ति, समय आदि शामिल होता है। इसके अलावा, ऐसा प्रतीत होता है कि अगर वोट विपक्षी दलों के बीच विभाजित हो जाते हैं तो सत्तारूढ़ दल को फायदा मिलता है। देबबर्मा ने दावा किया कि टिपरा मोथा न तो लाल मोथा है और न ही भाजपा का सहयोगी है। उन्होंने कहा, पार्टी की अपनी विचारधारा और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, पार्टी में इस बात पर चर्चा चल रही है कि टिपरा मोथा को उपचुनाव में किसे समर्थन देना चाहिए... हम 19 अगस्त तक अपना रुख घोषित करेंगे। देबबर्मा ने कहा कि पार्टी ने कभी भी भाजपा के साथ बातचीत नहीं की है।

इंडिया गठबंधन में छिड़ा संग्राम, असमंजस में नीतीश

नईदिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 16 अगस्त को दिल्ली के दौरे पर थे। दिल्ली पहुंचने के बाद वे सबसे पहले अटल समाधि स्थल पहुंचे। वहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा नीतीश कुमार ने किसी भी सार्वजनिक बैठक में हिस्सा नहीं लिया। हालांकि माना जा रहा था कि नीतीश कुमार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात कर सकते हैं। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा था इंडिया गठबंधन के नेताओं से भी उनकी मुलाकात हो सकती है। आज नीतीश कुमार पटना लौट रहे हैं। लेकिन अपने दौरे के दौरान उनकी किसी नेता से मुलाकात नहीं हुई है। इसके बाद चर्चाओं का दौर फिर से शुरू हो गया है।

नीतीश कुमार का दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने का कार्यक्रम था। लेकिन उससे पहले ही कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच मामला फंस गया और जुबानी जंग तेज हो गई। माना जा रहा है कि यही कारण रहा कि नीतीश कुमार ने थोड़ी खामोशी बरती। खबरों के मुताबिक नीतीश को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी सहित कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात भी करनी थी। लेकिन इंडिया गठबंधन के किसी नेता से उनकी मुलाकात नहीं हुई। बताया यह भी जा रहा है कि नीतीश कुमार महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार के लगातार हो रहे मुलाकात को लेकर भी असमंजस में हैं। ना सिर्फ नीतीश बल्की गठबंधन के कई नेता भी लगातार महाराष्ट्र के घटनाक्रम को लेकर पैनी नजर रख रहे हैं।

फिर दिल्ली क्यों आए नीतिश

दिल्ली में नीतीश कुमार सीधे अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि स्थल पहुंचे। उनके साथ बिहार सरकार के मंत्री और नीतीश कुमार के बेहद करीबी संजय झा भी मौजूद र।हे दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर अपनी आंखों के इलाज के लिए आए थे। उनका यह रूटीन चेकअप था। पहले खबर थी कि नीतीश कुमार 18 अगस्त को पटना लौटेंगे। लेकिन 1 दिन पहले ही उनके पटना लौटने का कार्यक्रम बन गया।

अपनी भूमिका स्पष्ट चाहते हैं नीतीश

अगर हम कहें कि विपक्षी गठबंधन की बुनियाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही रखी है तो इसमें दो राय नहीं। नीतीश कुमार ने हीं सभी विपक्षी दलों के नेताओं से

मुलाकात की थी और सबसे पहले पटना में बैठक के लिए आमंत्रित किया था। इंडिया गठबंधन के पहली बैठक के 23 जून को पटना में हुई थी। 18 जुलाई को बेंगलुरु में हुई। बैठक में उम्मीद की जा रही थी कि इंडिया गठबंधन के लिए एक संयोजक के नाम का ऐलान हो सकता है। संयोजक के रूप में नीतीश कुमार का नाम सबसे आगे चल रहा था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा दावा यह भी किया जाता रहा है कि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के नाम से सहमत नहीं थे। उनकी नाराजगी की भी खबर आई। विपक्षी दलों के प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी वह शामिल नहीं हुए। हालांकि विवाद बढ़ने पर उन्होंने सफाई दी और कहा कि बिहार का कार्यक्रम तय हो चुका था इसलिए उन्हें जल्दी आना पड़ा। हालांकि, नीतीश अपनी भूमिका स्पष्ट चाहते हैं। यही कारण है कि खामोश रहकर भी विपक्षी दलों को एक संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी की अचानक आई याद

पिछले 5 सालों में नीतीश कुमार पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि स्थल पर पहुंचे। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को याद किया। नीतीश कुमार अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। अटल बिहारी वाजपेयी का स्नेह भी उन्हें मिला है। हालांकि वर्तमान में नीतीश कुमार की राह भाजपा से बिल्कुल अलग है। यूं कहें कि नीतीश कुमार की दुश्मन नंबर वन अगर कोई पार्टी है तो वह भाजपा ही है। लेकिन कहीं ना कहीं अटल समाधि स्थल जाकर नीतीश कुमार ने विपक्षी गठबंधन को भी यह संदेश दे दिया कि उनके लिए भाजपा के दरवाजे भी खुले हुए हैं।

सम्राट चौधरी का बयान

दूसरी ओर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने साफ तौर पर कहा कि दिल्ली में नीतीश कुमार को विपक्षी नेताओं के द्वारा भाव नहीं दिया गया। नीतीश कुमार के सियासी हैसियत को लोग पहचानते हैं। यही कारण है कि वे बीच दौरे से ही पटना लौट रहे हैं। उन्होंने कहा है कि नीतीश कुमार अपनी पॉलिटिक्स के लिए दिल्ली गए होंगे। लेकिन गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि बिहार को नीतीश कुमार से मुक्त बनाना है।

इंडिया गठबंधन का नाम तय हो गया है। 26 सियासी दल एक मंच पर आकर एक साथ चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं। लेकिन आपसी खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सभी एक दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सभी दलों की अपनी-अपनी महत्वाकांक्षा है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि वे जनता को अपने पक्ष में कैसे कर पाते हैं। यही तो प्रजातंत्र है।

अजित और शरद पवार की मुलाकात से असहज हुई विपक्षी एकता

मुंबई। हाल ही में पुणे में अजित पवार और शरद पवार की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद राज्य की राजनीति में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। विपक्षी गठबंधन की भी इस पर नजर है। यही वजह है जब मुंबई में विपक्षी गठबंधन की आगामी बैठक होगी तो कांग्रेस आलाकमान इस मुद्दे पर शरद पवार से बातचीत कर सकता है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने यह जानकारी दी है। बता दें कि एनसीपी में अजित पवार का खेमा महाराष्ट्र में भाजपा के साथ गठबंधन कर चुका है। वहीं शरद पवार भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता का हिस्सा हैं।

बुधवार को महाराष्ट्र कांग्रेस की कोर कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए नाना पटोले ने कहा कि सीनियर पवार को लेकर उनकी पार्टी में कोई संदेह नहीं है लेकिन लोगों में इसे लेकर भ्रम है। शरद पवार एक अलग पार्टी हैं और विपक्षी गठबंधन में उनके समर्पण को लेकर कांग्रेस पार्टी में कोई सवाल नहीं है। शरद पवार अपने फैसले लेने में सक्षम हैं और हमारी पार्टी का आलाकमान विपक्षी गठबंधन की बैठक के दौरान उनसे चर्चा भी करेगा।

मणिपुर जल रहा है और भाजपा अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार में व्यस्त : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मणिपुर जल रहा है और भाजपा अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार में व्यस्त है। दिल्ली में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि पार्टी की महिला नेता कड़ी मेहनत करेंगी और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकेंगी।

उन्होंने कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी मणिपुर जा सकते हैं, तो प्रधानमंत्री क्यों नहीं जा सकते? क्या भाजपा ने वहां महिलाओं को सुरक्षा प्रदान की है? वे घरों से भाग रही हैं, दुष्कर्म हो रहा हैं और हत्याएं हो रही हैं और भाजपा अन्य राज्यों में प्रचार में व्यस्त है। हमारी पार्टी की महिला कैडर आगामी आम चुनाव 2024 के लिए विचारों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगी और मुझे यकीन है कि वे अगले साल भाजपा सरकार को हटा देंगी।

आगे खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर में हो रहे अत्याचारों पर चुप रहे और विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद ही उन्होंने इस मुद्दे पर संसद को संबोधित किया। साथ ही कहा कि देश भर में दंगे हो रहे हैं। हमने प्रधानमंत्री से मणिपुर में हो रहे अत्याचारों के बारे में बोलने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने हमारे अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद ही बात की। कई लोगों की जान चली गई, कई घर जला दिए गए और हजारों लोग विस्थापित हुए मणिपुर में, फिर भी प्रधानमंत्री ने इसके बारे में कुछ नहीं बोला।

कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि हमारी लड़ाई नागरिकों के लिए है। यह हमारी व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। जब प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं 70 साल में क्या किया, तो मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि मोरारजी देसाई और अटल बिहारी वाजपेयी भी ने भी पिछले 70 वर्षों में प्रशासन का नेतृत्व किया। हम सभी ने पिछले 70 वर्षों में लोकतंत्र को जीवित रखा। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी की महिला नेताओं को कड़ी मेहनत करने और आगामी आम चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का संकल्प लेना चाहिए।

सोनिया और राहुल के कहने पर मिला कांग्रेस अध्यक्ष का पद

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुद के कांग्रेस अध्यक्ष बनने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। महिला कांग्रेस के कार्यक्रम में खड़गे ने कहा कि मुझे अध्यक्ष पद सोनिया गांधी और राहुल गांधी के कहने पर मिला है। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कांग्रेस ने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा नहीं की होती तो मोदी कभी पीएम नहीं बनते। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि पार्टी पहले ही कह चुकी है कि खड़गे को पूरी वोटिंग और उचित प्रक्रिया के बाद इस पद के लिए चुना गया है। ऐसे में खड़गे के इस बयान के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप (भाजपा) नेताओं को पीटना और जेल भेजना चाहते हैं...अगर कोई भाषण देता है या कुछ कहता है तो उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाता है। उन्हें नेताओं को जेल में डालने और एफआईआर दर्ज करने की आदत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम इस देश के लिए अपना योगदान दे रहे हैं, हम अपने लिए यहां नहीं आए हैं। राजनीति एक सेवा है। गांधी जी को क्या मिला? न वह इस देश के प्रधानमंत्री बने और न ही राष्ट्रपति। लेकिन अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया, भारत को आजादी दिलाई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब मणिपुर में लोग मर रहे हैं, वे (भाजपा) अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

आयरलैंड के खिलाफ भारत का टी-20 सीरीज आज से

डबलिन। भारत और आयरलैंड के बीच शुक्रवार (18 अगस्त) से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। सीरीज का पहला टी20 मुकाबला डबलिन में खेला जाएगा। अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली टीम इंडिया पहले ही डबलिन पहुंच चुकी है।

करीब 11 महीने तक मैदान से दूर रहने के बाद वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के फॉर्म और फिटनेस पर सभी की नजरें होंगी जब वह आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगे।

भारतीय टीम में आईपीएल के स्टार रूतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा है लेकिन नजरें बुमराह पर होंगी। यह तेज गेंदबाज दो महीने बाद भारत में शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में भारत की रणनीति का अभिन्न अंग है। 29 वर्ष के बुमराह को पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में कमर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हुआ था। इसके बाद उनकी सर्जरी कराई गई।

पांच दिन के भीतर तीन मैचों में उन्हें अधिकतम 12 ओवर डालने हैं। इस सीरीज से मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर, वनडे कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पता चलेगा कि मैच फिटनेस के मामले में बुमराह की स्थिति क्या है। पचास ओवरों का प्रारूप हालांकि बिल्कुल अलग है जिसमें उन्हें दो, तीन या चार ओवर के स्पैल में दस ओवर डालने होंगे। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बुमराह का गेंदबाजी करते हुए वीडियो डाला है जिसमें वह शॉर्ट गेंद और यॉर्कर सभी डाल रहे हैं। मैच हालात हालांकि बिल्कुल अलग होंगे और टीम प्रबंधन पिछले साल आस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप से पहले उन्हें हड़बड़ी में उतारकर गलती कर ही चुका है। उसके बाद से वह खेल नहीं पाये हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 388 अंक टूटा निफ्टी 19400 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में वीकली एक्सपायरी के दिन बिकवाली दिखी। कमजोर वैश्विक संकेतों के बाद सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को सेंसेक्स 388.40 (0.59%) अंक गिरकर 65,151.02 पर जबकि निफ्टी 99.75 (0.51%) अंक गिरकर 19,365.25 के लेवल पर बंद हुआ। बता दें कि इस हफ्ते के पहले दो कारोबारी दिन सोमवार और बुधवार को बाजार शुरुआती बिकवाली के बावजूद हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा था। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बाजार की बिकवाली के दौरान सबसे ज्यादा एफएमसीजी सेक्टर के शेयर टूटे। आईटीसी का शेयर दो प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी सेशन के दौरान टाइटन का शेयर टॉप गेनर रहा। अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में चार प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं जेएसडब्ल्यू के शेयरों में चार प्रतिशत की गिरावट दिखी।

आईनॉक्स विंड के प्रमोटर्स ने लोन चुकाने के लिए 500 करोड़ रुपये का किया निवेश

नईदिल्ली। आईनॉक्स विंड लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि उसके प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों ने कर्ज चुकाने के लिए कंपनी में 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि शेयर बाजार में उसके प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों ने आईनॉक्स विंड की इक्विटी शेयर की बिक्री के माध्यम से धन जुटाया। आईनॉक्स विंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैलाश ताराचंदानी ने कहा कि आईडब्ल्यूएल के प्रवर्तकों के नेतृत्व में हाल ही धन जुटाने की पहल और उसके बाद पूंजी निवेश ने हमारी वित्तीय स्थिति को काफी हद तक मजबूत किया है। आईनॉक्स विंड आईनॉक्सजीएफएल समूह का एक हिस्सा है।

जीएसटीएन ने शुरू की नए प्रबंधित सेवा प्रदाता की तलाश

नईदिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने जीएसटी को प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने के लिए नए सेवा प्रदाता की तलाश शुरू कर दी है। इंफोसिस का प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने का अनुबंध सितंबर 2024 में समाप्त होने वाला है। परामर्श कंपनी को प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया और जीएसटीएन की आईटी सेवा का किसी अन्य प्रौद्योगिकी कंपनी में निर्बाध स्थानांतरण सुनिश्चित करना होगा। ऐसी कंपनी जो एक अक्टूबर 2024 से शुरू होने वाले अगले सात वर्षों तक जीएसटी प्रणालियों के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर प्रदान करेगा। अप्रत्यक्ष कर सुधार जीएसटी एक जुलाई 2017 को भारत में लागू किया गया था। इसे लागू करने से पहले सितंबर 2015 में इंफोसिस को जीएसटी नेटवर्क के लिए प्रौद्योगिकी का निर्माण करने का काम सौंपा गया था।

अदाणी पावर के शेयर 3 फीसदी से अधिक चढ़े

नईदिल्ली। अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी पावर के शेयर गुरुवार को शुरुआती कारोबार में तीन प्रतिशत से अधिक चढ़ गए। बीएसई में कंपनी का शेयर 3.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 288.45 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई में कंपनी का शेयर तीन प्रतिशत चढ़कर 288.50 रुपये पर रहा। अमेरिकी निवेश कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स एवं कुछ अन्य निवेशकों के अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी पावर में 1.1 अरब डॉलर के निवेश के साथ 8.1 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने के बाद कंपनी के शेयर चढ़े हैं। यह सौदा 279.17 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर हुआ है। इस तरह 31.2 करोड़ शेयरों की बिक्री से कंपनी के प्रवर्तक अदाणी परिवार को 1.1 अरब डॉलर यानी करीब 9,000 करोड़ रुपये हासिल हुए।

चंद्रयान-3 से सफलतापूर्वक अलग हुआ विक्रम लैंडर

नईदिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल विक्रम 17 अगस्त को प्रोपल्शन मॉड्यूल से सफलतापूर्वक अलग हो गया है। इसके साथ ही चंद्रमा के करीब पहुंचने का अंतिम चरण शुरू हो गया है। सॉफ्ट लैंडिंग 23 अगस्त को शाम 5.45 बजे तय की गई है। ये पल हर भारतीय के लिए गर्व का पल है। इसरो के चंद्रमा मिशन पर पूरे विश्व की नजरें टिकी हुई है। ऐसे में सफलतापूर्वक विक्रम लैंडर के चंद्रयान3 से अलग होने पर इसरो को बड़ी सफलता हासिल हुई है।

इसरो जो अपने चंद्रयान-3 मिशन के माध्यम से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग कराने की दिशा में काम कर रहा है। अंतरिक्ष यान अब 23 अगस्त को चंद्रमा पर अपनी नियोजित लैंडिंग के लिए तैयार है। प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) से सफलतापूर्वक अलग होने के बाद विक्रम लैंडर ने आगे यात्रा शुरू कर दी है। विक्रम लैंडर को चांद की सतह पर उतरने की आखिरी 100 किलोमीटर की यात्रा खुद करनी है। यह प्रयास भारत को इस उल्लेखनीय उपलब्धि को पूरा करने वाला विश्व स्तर पर चौथा देश बनने की राह पर ले जाता है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन की कतार में शामिल हो जाएगा। भारत अंतरिक्ष में इतिहास रचने से अब बस कुछ ही कदम दूर है।

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने हाल में कहा था कि लैंडिंग का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा लैंडर के वेग को 30 किलोमीटर की ऊंचाई से अंतिम लैंडिंग तक लाने की प्रक्रिया है और यान को क्षैतिज से ऊर्ध्वाधर दिशा में स्थानांतरित करने की क्षमता वह प्रक्रिया है जहां हमें अपनी काबिलियत दिखानी होगी। सोमनाथ ने कहा, लैंडिंग प्रक्रिया की शुरुआत में वेग लगभग 1.68 किलोमीटर प्रति सेकंड

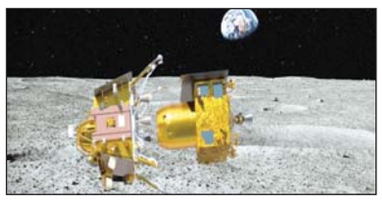

है, लेकिन यह गति चंद्रमा की सतह के क्षैतिज है। यहां चंद्रयान-3 लगभग 90 डिग्री झुका हुआ है, इसे लंबवत करना होगा। क्षैतिज से ऊर्ध्वाधर दिशा में बदलने की यह पूरी प्रक्रिया गणितीय रूप से एक बहुत ही दिलचस्प गणना है। हमने कई बार इस प्रक्रिया को दोहराया है। यहीं पर हमें पिछली बार (चंद्रयान-2) समस्या हुई थी।

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि इसके अलावा यह सुनिश्चित करना होगा कि ईंधन की खपत कम हो, दूरी की गणना सही हो और सभी गणितीय मानक ठीक हों। सोमनाथ ने कहा कि व्यापक सिमुलेशन (अभ्यास) किए गए हैं, मार्गदर्शन डिजाइन बदल दिए गए हैं। इन सभी चरणों में आवश्यक प्रक्रिया को नियंत्रित करने और उचित लैंडिंग करने का प्रयास करने के लिए बहुत सारे एल्गोरिदम लगाए गए हैं। चंद्रयान-3 मिशन के अब तक की प्रक्रिया से सफलतापूर्वक गुजरने पर खुशी व्यक्त करते हुए इसरो के पूर्व अध्यक्ष के सिवन ने कहा कि 23 अगस्त को लैंडर का चंद्रमा की सतह को छूना एक बड़ा क्षण होगा जिसका हम इंतजार कर रहे हैं। सिवन दूसरे चंद्र मिशन के दौरान अंतरिक्ष एजेंसी का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान 2 भी इन सभी चरणों से सफलतापूर्वक गुजरा था, और लैंडिंग के दूसरे चरण के दौरान एक मुद्दा सामने आया और मिशन को लक्ष्य के अनुसार सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा, अब लैंडिंग प्रक्रिया को लेकर निश्चित रूप से अधिक चिंता होगी। पिछली बार यह सफल नहीं हो सका। इस बार हर किसी को उस बेहतरीन पल का इंतजार है। मुझे यकीन है कि यह सफल होगा क्योंकि हमने चंद्रयान 2 के दौरान हुई असफलताओं को समझ लिया है।

सिवन ने कहा, हमने इसे ठीक कर लिया है और इसके अलावा, जहां भी मार्जिन कम था, वहां अतिरिक्त मार्जिन जोड़ा गया है। इस बार हमें उम्मीद है कि मिशन सफल होगा। हमें इस पर पूरा भरोसा है। मिशन के अगले पड़ाव में अब लैंडर मॉड्यूल शुक्रवार को चांद की निचली कक्षा में पहुंचाया जाएगा। इसरो ने लैंडर मॉड्यूल की तरफ से एक्स पर एक पोस्ट में चंद्रयान-3 की यात्रा को लेकर ट्वीट भी किया। इसमें लैंडर की तरफ से प्रॉपल्शन के लिए कहा गया- साथ में यात्रा के लिए शुक्रिया मित्र। इसमें आगे कहा गया, लैंडर मॉड्यूल सफलतापूर्वक प्रॉपल्शन मॉड्यूल से अलग हो गया। अब शुक्रवार शाम चार बजे इसे चांद की कक्षा में और नीचे उतारा जाएगा।

व्यापक कानूनी सुधारों की दिशा में कदम

हरबंश दीक्षित

पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन विधेयकों के माध्यम से 19वीं सदी के तीन महत्वपूर्ण कानूनों के भारतीय प्रारूप को पेश किया। भारतीय दंड संहिता, 1860 की जगह भारतीय न्याय संहिता, मूलत: 1878 में पारित दंड प्रक्रिया संहिता की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा इंडियन एविडेंस ऐक्ट, 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 नामक तीन विधेयक लाए गए। आधुनिक समाज की जरूरतों के पैमाने पर ये कानून पुराने पड़ चुके थे। नई परिस्थितियों में नए तरह के अपराध हो रहे हैं। अपराधियों के काम करने के तरीकों में अंतर आया है। उनसे निपटने के लिए कानून तथा साक्ष्य इकट्ठा करने के नए तरीके अपनाना जरूरी था। समय-समय पर नए कानूनों के पैबंदों के जरिये उनमें मरम्मत भी की जाती रही, जो नाकाफी रही। कई बार इन कानूनों में परिवर्तन के सुझाव भी आए। वर्ष 1971 में विधि आयोग की 42वीं रिपोर्ट में इस तरह के व्यापक बदलाव का सुझाव दिया गया। उस पर अमल करने के लिए 1972 तथा 1978 में सरकार की ओर से विधेयक भी लाया गया। किंतु दोनों बार लोकसभा भंग हो जाने के कारण व्यपगत हो गया था। वर्ष 2003 में मलिमथ कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में व्यापक सुधारों का सुझाव दिया था। प्रस्तावित भारतीय न्याय संहिता में मौजूदा भारतीय दंड संहिता की 511 धाराओं की जगह सिर्फ 356 धाराएं होंगी। अप्रासंगिक हो चुकीं 22 धाराएं निरस्त कर दी गई हैं। पुरानी 175 धाराओं में कुछ संशोधन कर उन्हें शामिल कर लिया गया है तथा आठ नई धाराएं जोड़ी गई हैं। अदालत की कार्यवाही के दौरान आधुनिक तकनीक को स्थान देने के लिए पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता की 478 धाराओं की जगह अब 511 धाराएं होंगी। उनमें 160 धाराओं में संशोधन किया गया है, नौ नई जोड़ी गई हैं तथा 22 निरस्त की गई हैं। भारतीय साक्ष्य अधिनियम में पहले 167 धाराएं थीं, जिनकी जगह अब 170 धाराएं होंगी। इसमें 23 धाराओं में संशोधन किया गया है तथा पांच निरस्त की गई हैं। वर्ष 1860 में जब भारतीय दंड संहिता तैयार की गई थी, तब वह दुनिया की सबसे पहले लिपिबद्ध की गई दंड संहिता थी। उस समय तक के तमाम अदालती अनुभवों का संहिताकरण कर दिया गया था, किंतु उसमें व्यापक परिवर्तनों की जरूरत थी। राजद्रोह से जुड़े प्रावधान पर लगातार सवाल उठ रहे थे। ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और स्कॉटलैंड जैसे देशों ने उसके पुराने स्वरूप को हटा दिया। उसकी सबसे बड़ी कमी यह थी कि वह न्याय की आधुनिक अवधारणा के अनुरूप नहीं हैं। अपराध के लिए किसी आशय का होना जरूरी होता है, किंतु भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए में राजद्रोह के अपराध के लिए आशय की जरूरत नहीं है। यदि अदालत में साबित कर दिया जाए कि किसी के शब्दों, संकेतों एवं अभिव्यक्ति के दूसरे साधनों द्वारा विधि द्वारा स्थापित सरकार के प्रति घृणा या अवमानना की गई या उसका प्रयास किया गया, तो उसे राजद्रोह का दोषी ठहराया जा सकता है। प्रस्तावित विधेयक में इसकी जगह धारा 150 में इसका बेहतर और संशोधित स्वरूप लाया गया है। इसमें कहा गया है कि जब कोई व्यक्ति जान-बूझकर या उद्देश्यपूर्वक अपने शब्दों या अन्य माध्यमों से संप्रभुता या अखंडता को खतरे में डालता है या सशस्त्र विद्रोह को उकसाता है या उसका प्रयास करता है, तो वह इस धारा के अधीन दोषी होगा। पिछले कुछ दशकों में अलग तरह के अपराधों में भी वृद्धि हुई है, जो परिभाषित नहीं हैं। जैसे, पहचान छिपाकर यौन संबंध बनाने, नफरती भाषण देने और चेन स्नैचिंग जैसे अपराधों के मामलों में कानूनी उपबंध नाकाफी साबित हो रहे थे। प्रस्तावित कानून में इनके लिए अलग उपबंध हैं और सजा की व्यवस्था है। नाबालिग बच्चों से दुष्कर्म की घटनाओं पर मृत्युदंड तक का प्रावधान है। मॉब लिंचिंग के अपराध को केवल धार्मिक उन्माद से होने वाली हिंसा तक सीमित न कर व्यापक रूप दिया गया है। जब पांच या अधिक व्यक्ति नस्ल, समूह, समुदाय, लिंग, जन्म स्थान, भाषा, निज विश्वास या अन्य आधार पर हत्या करता है, तो समुह का हर सदस्य हत्या का दोषी होगा, जिसमें न्यूनतम सात साल तथा अधिकतम मौत की सजा हो सकती है। इसकी परिभाषा इतनी व्यापक है कि इसमें डायन घोषित करके महिलाओं के विरुद्ध की जाने वाली हिंसा के मामलों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। कुछ वर्षों पहले 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने नवतेज जौहर बनाम भारत संघ के मामले में अप्राकृतिक यौन संबंधों से जुड़ी धारा 377 को आंशिक रूप से असांविधानिक घोषित कर दिया था तथा वयस्कों द्वारा सहमति से बनाए संबंधों को मान्यता दे दी थी। नए कानून में इस निर्णय को ध्यान में रखते हुए दंड संहिता की धारा 377 को समाप्त कर दिया गया है। अब सहमति से समलिंगी संबंध पर सजा नहीं होगी। आतंकी गतिविधियों के बारे में भारतीय न्याय संहिता में अलग से उपबंध जोड़ा गया है। अब तक इसके लिए यूएपीए के अंतर्गत मुकदमे दर्ज होते थे। प्रस्तावित न्याय संहिता की धारा 111 में आतंकी कृत्य को परिभाषित किया गया है। इसमें भारत में या उसके बाहर भारत की एकता, अखंडता या संप्रभुता को खतरे में डालने के आशय से कोई आतंकी गतिविधि करता है या रासायनिक हथियार या जहरीली गैस का इस्तेमाल करता है या ऐसा करते हुए लोगों के मन में दहशत पैदा करता है या भारतीय संस्थानों को डराने या अस्थिर करने की मंशा से कार्य करता है, तो इन्हें आतंकी कृत्य माना गया है और अधिकतम मौत की सजा तक का प्रावधान है।

कांग्रेस की निगाह चार राज्यों पर

अजय सेतिया

इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने अपनी अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। कांग्रेस के रणनीतिकार लोकसभा सीटों के बंटवारे का ऐसा फार्मूला बना रहे हैं ताकि उन्हें सब से ज्यादा फायदा हो। कांग्रेस का अपना लक्ष्य कम से कम 150 सीटों को जीतना है, ताकि अगर गठबंधन की सरकार बनने का चांस बने तो उसका प्रधानमंत्री बन सके। जैसे 2004 में 145 सीटें जीत कर मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे, हालांकि उस समय भाजपा की सीटें सिर्फ 138 रह गई थी। कांग्रेस को 150 सीटें जीतने के लिए भी मौजूदा सीटों के अलावा 90 सीटें और चाहिए। तो वह इतनी सीटें कहां से लाएगी। निश्चय ही ये सीटें उसे भाजपा से जीतनी पड़ेगी। अगर वह भाजपा से इतनी सीटें जीतती है, तभी वह भाजपा की सौ सीटें घटा सकेगी। कांग्रेस के पास भाजपा से सीटें छीनने का स्कोप गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक से है। इन नौ राज्यों की 152 सीटों पर कांग्रेस का भाजपा से सीधा मुकाबला है। इन 152 सीटों में से कांग्रेस पिछली बार सिर्फ पांच सीटें जीतीं थीं। इन सभी 9 राज्यों में कोई अन्य पार्टी कांग्रेस की मदद नहीं कर सकती, क्योंकि गठबंधन की किसी पार्टी का इन नौ राज्यों में कोई प्रभाव नहीं है।

इन सभी राज्यों में नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत वोट बैंक में गिरावट के कोई संकेत नहीं हैं। हां, भाजपा सांसदों की लोकप्रियता में गिरावट जरुर होगी, लेकिन उसका इलाज मोदी उम्मीदवार बदल कर करने में माहिर हैं। मोदी वैज्ञानिक तरीके से तीन तीन बार सर्वेक्षण करवा कर उम्मीदवार तय करवाते हैं। इसलिए इन दस राज्यों के साथ साथ यूपी से भी पिछले दो चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ़ हुआ। कांग्रेस को भी पता है कि गठबंधन सहयोगियों का इन नौ राज्यों में कोई असर नहीं, इसलिए गठबंधन का उसे इन राज्यों में कोई फायदा नहीं होने वाला। कांग्रेस उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल और महाराष्ट्र में गठबंधन के सहयोगियों के सहारे ज्यादा सीटें हासिल करना चाहती है। इन चारों राज्यों में गठबंधन के सहारे वह अपनी सीटें बढ़ा सकती है। इन चारों राज्यों की 210 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस पिछली बार सिर्फ 5 सीटें जीती थी। भाजपा अकेले 121 और गठबंधन के साथ एनडीए 164 सीटें जीता था।

उत्तर प्रदेश में पिछली बार सिर्फ सोनिया गांधी चुनाव जीती थी, क्योंकि समाजवादी पार्टी और बसपा ने उनके सामने कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था। इन दोनों दलों ने अमेठी में भी उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था, फिर भी राहुल गांधी चुनाव हार गए थे। कांग्रेस ने इसीलिए समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल को इंडिया गठबंधन में रखा है, ताकि वह इन दोनों दलों की पीठ पर सवार होकर कुछ सीटें निकाल सकें। कांग्रेस यूपी में दो दर्जन सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। वह समाजवादी पार्टी से 30 सीटों की डिमांड रखेगी, अखिलेश यादव की मुश्किलों में थोड़ा इजाफा तो होगा, लेकिन वह 24-25 सीटें देने को तैयार हो जाएंगे। क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजों ने यह संकेत दिया है कि मुस्लिम वोट बैंक कांग्रेस की तरफ लौट रहा है, और गठबंधन में उसे भी फायदा होगा। कर्नाटक और हिमाचल विधानसभा चुनाव जीतने के बाद यूपी के कांग्रेस नेताओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ है। पार्टी को लगता है कि वह 2009 का प्रदर्शन दोहरा सकती है, जब उसने यूपी से लोकसभा की 21 सीटें जीतीं थीं। हालांकि 2004 में 9, 1999 में 10 और 1998 में शून्य सीट मिली थी। मोदी युग की शुरुआत के बाद कांग्रेस यूपी में 2014 में दो और 2019 में एक सीट ही जीती है। चुनावी तैयारियों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने एक बैठक के दौरान कहा था कि कांग्रेस 2009 में किए गए प्रदर्शन से भी ज्यादा सीटें जीतेगी। हालांकि यह तय है कि गठबंधन को बनाए रखने के लिए कांग्रेस उतनी ही सीटों पर संतोष कर लेगी, जितनी अखिलेश यादव समझौते में देंगे। लेकिन कांग्रेस के कई बड़े नेता कह रहे हैं कि गठबंधन में उन्हें कम से कम 24 सीटें नहीं मिली तो वह अकेले दम पर सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

यूपी की 12 लोकसभा सीटों पर राष्ट्रीय लोक दल का दावा है, जिसका पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रभाव है। हालांकि सपा, बसपा, रालोद गठबंधन होने के बावजूद 2019 में रालोद एक भी सीट नहीं जीत पाया था। जिन 12 सीटों पर आरएलडी चुनाव लड़ना चाहती है, उनमें कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, अमरोहा, मेरठ, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस, फतेहपुर सीकरी, मथुरा और बागपत शामिल हैं। यूपी की 80 सीटों में यदि कांग्रेस 24 और रालोद 12 सीटों की डिमांड करती है तो सपा के लिए सिर्फ 44 सीटें ही बचेंगी। इसके अलावा गठबंधन के अन्य सहयोगी भी इक्का-दुक्का सीटों के लिए दबाव बनाएंगे ही। दूसरा बड़ा राज्य बिहार है, जहां कांग्रेस राजद और जेडीयू के साथ गठबंधन में एक तिहाई, यानि 13 सीटों की मांग कर रही है, जबकि पिछली बार वह एक ही सीट जीती थी। कांग्रेस को उम्मीद है कि इस बार का गठबंधन उसे बिहार से ज्यादा सीटें दिला सकता है। तीसरा बड़ा राज्य महाराष्ट्र है, जहां पिछले चुनाव में तो वह राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ गठबंधन के बावजूद सिर्फ एक सीट जीत पाई थी, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस 4 सीटें जीत गई थी। बाकी सारी सीटें भाजपा, शिवसेना ने जीती थीं। इस बार राष्ट्रवादी कांग्रेस के टूटने से इंडिया गठबंधन को नुकसान होगा, लेकिन उद्धव ठाकरे की ताकत इंडिया गठबंधन के साथ जुड़ी है। हालांकि तिहरे गठबंधन में कांग्रेस को समझौते में पिछली बार से कम सीटें लड़ने को मिलेंगी, लेकिन कांग्रेस को उम्मीद है कि वह कम से कम पांच छह सीटें महाराष्ट्र से जीत सकती है।

कांग्रेस को सबसे ज्यादा उम्मीद कर्नाटक से है, जहां भाजपा के साथ सीधे मुकाबले में वह आधी सीटें जीतने की उम्मीद पाले हुए है। पिछले लोकसभा चुनाव के समय भाजपा 28 में से 25 लोकसभा सीटें जीत गई थी, जबकि कांग्रेस और जेडीएस एक-एक सीट जीती थीं। लेकिन अगर भाजपा और जेडीएस का गठबंधन हो जाता है, तो कांग्रेस के लिए कर्नाटक में अपना लक्ष्य हासिल करना बहुत मुश्किल होगा। कांग्रेस को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा से कोई ज्यादा उम्मीद नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जो 52 सीटें जीतीं थीं, उनमें से सर्वाधिक 15 केरल से थीं, आठ आठ पंजाब और तमिलनाडु से थीं। तमिलनाडु में वह पिछली बार भी द्रमुक के साथ गठबंधन में थी, और इस बार भी गठबंधन में है। पंजाब में इस बार उसे आम आदमी पार्टी से गठबंधन करना पड़ा तो उसे केजरीवाल 13 लोकसभा सीटों में से पांच से ज्यादा सीटें नहीं देने वाले, जबकि मौजूदा लोकसभा में ही उसके सात सांसद हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नीलरुद्रोपनिषद्

गतांक से आगे...

हे रक्त वर्ण वाले नीलकण्ठ रुद्रदेव! हमने धरती पर अवतरित होते हुए आपके स्वरूप का दर्शन किया है आपके उस स्वरूप को या तो गोपों ने देखा या फिर जल भरने वाली गोपिकाओं ने देखा है या विश्व के समस्त प्राणियों ने देखा है आपके उस देखे हुए श्रीकृष्ण स्वरूप को हम प्रणाम करते हैं। हे मोरमुकुटधारी भगवन्! आपके प्रति हमारा नमस्कार है। महान् शक्तिशाली इन्द्ररूप भी आप ही हैं। आप अपने प्रिय भक्तजनों के सामने असंख्य नेत्रों से युक्त होकर अपने विराट् रूप में प्रकट होते हैं।

आपके इस स्वरूप को जिसमें सात्त्विक भाव वाले गोपाल, गोपिकाएँ भी सहचर रूप में आपके साथ हैं, उनके प्रति हम नमस्कार करते हैं। हे भगवान् रुद्र! आपके अति सामर्थ्ययुक्त उन आयुधों को हमारा अनेक बार नमन है, जो इस समय उपयोग में नहीं लाये जा रहे। आपके धनुष के प्रति दोनों हाथ जोड़कर हमारा नमन है। आप अपने और शत्रु पक्ष के राजाओं के प्रति अपने धनुष की प्रत्यञ्चा को उतार दें अर्थात् शान्त स्वरूप धारण करके युद्ध की सम्भावना को ही मिटा दें। आप अपने हाथ में धारण किये बाण को पुन: तूणीर में लौटा लें। हे मोरपंखधारी सहस्राक्ष ! आप सौ-सौ बाणों के एक साथ संधानकर्त्ता हैं। हमें मंगल एवं सुख प्रदान करने हेतु आप अपने बाणों के अग्रभाग को तीक्ष्ण करके धनुष पर चढ़ायें। (शत्रुओं के विनष्ट होने पर) आपका धनुष प्रत्यञ्चा रहित हो। संताप देने की प्रक्रिया त्यागकर बाण पुन: तरकस में लौट आयें। आपके तीखे बाण जो पर्वत को भी विदीर्ण करने वाले हैं, आपके तरकस में लौटकर कल्याणप्रद हों।

आपके धनुष पर संधान किया हुआ बाण हमारा सभी ओर से संरक्षण करे। संरक्षण के पश्चात् आप अपने बाण को तरकस में स्थापित कर लें। हे भक्तवत्सल कृपावर्षक प्रभो! आप अपने अक्षय बाण और धनुष द्वारा चारों ओर से हमारा संरक्षण करें। उन सर्पों को हमारा प्रणाम है, जो पृथिवी पर वास करते हैं। आकाश और स्वर्ग में वास करने वाले सर्पों (पीड़ा पहुँचाने वाली शक्तियों) को हमारा प्रणाम प्रकाश युक्त लोकों, सूर्य की किरणों और जल में रहने वाले उन सभी सर्पों (कष्टदायिनी शक्तियों) को प्रणाम। राक्षसों के बाण रूप सर्पों को प्रणाम है, जो गड्ढों और वनस्पतियों में वास करते हैं।

जो भगवान् शंकर विश्वकल्याणार्थ हलाहल पान करके नीलकण्ठ कहे जाते हैं तथा स्वभक्तों का कल्याण करने के लिए श्रीहरि (विष्णु) रूप को धारण करते हैं। हे ओषधियो ! उन काली पूंछ वाले (महिष रूपधारी केदारेश्वर) के निमित्त शीघ्र ही अमोघ सामर्थ्ययुक्त होकर आप उन्हें तुष्टि प्रदान करें।

क्रमश:...

अजेय योद्धा थे बाजीराव पेशवा प्रथम

दीपक कुमार त्यागी

पेशवा बाजीराव बल्लाल का जन्म 18 अगस्त सन् 1700 को चित्ताबन कुल के ब्राह्मण परिवार में पिता बालाजी विश्वनाथ और माता राधाबाई के घर में हुआ था। उनके पिताजी मराठा छत्रपति शाहूजी महाराज के प्रथम पेशवा (प्रधानमंत्री) थे। बाजीराव का एक छोटा भाई भी था चिमाजी अप्पा। हर-हर महादेव के युद्धघोष के साथ देश में अटक से लेकर कटक तक केसरिया ध्वज लहरा कर हिन्दू स्वराज लाने का जो सपना वीर छत्रपति शिवाजी महाराज ने देखा था, उसको काफी हद तक मराठा साम्राज्य के चौथे पेशवा या प्रधानमंत्री वीर बाजीराव प्रथम ने पूरा किया था। जिस वीर महायोद्धा बाजीराव पेशवा प्रथम के नाम से अंग्रेज शासक थर-थर कांपते थे, मुगल शासक बाजीराव से इतना डरते थे कि उनसे मिलने तक से भी घबराते थे। हिंदुस्तान के इतिहास में पेशवा बाजीराव प्रथम ही अकेले ऐसे महावीर महायोद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन काल में 41 युद्ध लड़े और एक भी युद्ध नहीं हारा, साथ ही वीर महाराणा प्रताप और वीर छत्रपति शिवाजी के बाद बाजीराव पेशवा प्रथम का ही नाम आता है जिन्होंने मुगलों से बहुत लंबे समय तक लगातार लोहा लिया था। पेशवा बाजीराव बल्लाल भट्ट एक ऐसे महान योद्धा थे। जिन्होंने निजाम, मोहम्मद बंगश से लेकर मुगलों, अंग्रेजों और पुर्तगालियों तक को युद्ध के मैदान में कई-कई बार करारी शिकस्त दी थी, बाजीराव पेशवा के समय में महाराष्ट्र, गुजरात, मालवा, बुंदेलखंड सहित 70 से 80 प्रतिशत भारत पर उनका शासन था। ऐसा रिकॉर्ड वीर छत्रपति शिवाजी तक के नाम पर भी नहीं है। वह जब तक जीवित रहे हमेशा अजेय रहे, उनको कभी भी कोई हरा नहीं पाया। हालांकि इस महावीर अजेय योद्धा के साथ हमारे देश के इतिहासकारों ने कभी न्याय नहीं किया, उन्होंने एक महान योद्धा को हमेशा गुमनाम नायक बनकर ही रहने दिया, बाजीराव को इतिहास ने उनका तय सम्मान कभी नहीं दिया, देश में फिल्म बाजीराव मस्तानी आने तक तो उनके बारे में बहुत ही कम लोग जानते थे, अधिकांश लोगों ने उसके बाद ही इस महान योद्धा के बारे में जाना और समझा। उस समय जनता के बीच अपराजित हिन्दू सेनानी सम्राट के नाम से प्रसिद्ध इस महान सेनानायक पेशवा बाजीराव प्रथम की आज 18 अगस्त को जयंती है। बाजीराव पेशवा को लोग बाजीराव बल्लाल भट्ट और थोरले बाजीराव के नाम से भी जानते थे। छत्रपति शिवाजी के बाद वह गुरिल्ला युद्ध तकनीक के सबसे बड़े प्रतिपादक थे। उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व, व्यूह रचना एवं कारगर रणकौशल के बलबूते पर मराठा साम्राज्य का देश में बहुत तेजी से सबसे अधिक विस्तार किया था। बाजीराव के समय में भारत की जनता मुगलों के साथ-साथ अंग्रेजों व पुर्तगालियों के अत्याचारों से त्रस्त हो चुकी थी। यह आक्रांता भारत के देवस्थान मंदिरों को तोड़ते, जबरन धर्म परिवर्तन करते, महिलाओं व बच्चों को मारते व उनका भयंकर शोषण करते थे। ऐसे में बाजीराव पेशवा ने उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक ऐसी विजय पताका फहराई कि चारों ओर उनके नाम का डंका बजने लगा। उनकी वीरता को देखकर लोग उन्हें शिवाजी का साक्षात अवतार मानने लगे थे।

मोदी ने लाल किले से भावी भारत का रोडमैप प्रस्तुत किया

ललित गर्ग

स्वतंत्रता दिवस समारोह पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस वर्ष राष्ट्र के नाम उद्बोधन अमृतकाल के कालखंड के सन्दर्भ में एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति रहा है। भले ही राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने वाले इसे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि यह उद्बोधन भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। लेकिन यह सत्य है कि मोदी ने 2024 के आम चुनाव के लिये आशीर्वाद मांगा, अगले वर्ष भी लाल किले से वे ही भाषण देंगे, ऐसा आत्म विश्वास भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने न केवल अपने शासनकाल की उपलब्धियों को गिनाया बल्कि उन्होंने अगले पांच वर्ष के लिए भी देश की प्रगति का खाका खींच दिया।

उन्होंने 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को दसवें नम्बर से पांचवें नम्बर तक लाने को उपलब्धि बताते हुए अगले पांच वर्ष में देश को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का भरोसा भी दिया। निश्चित ही अब तक हुए लाल किले की प्राचीर के उद्बोधनों में सर्वाधिक प्रेरक, संकल्पमय एवं नये भारत-सशक्त भारत की इबारत लिखने वाला यह उद्बोधन रहा। यह अंधेरों को चीर कर उजाले की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली होने का आह्वान है।

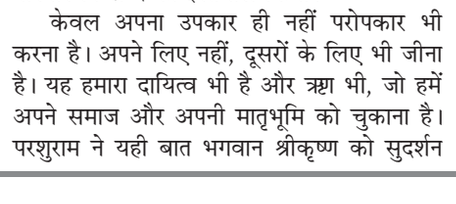

विपक्ष आलोचना के लिए स्वतंत्र है और वह प्रधानमंत्री के भाषण को चुनावी भाषण करार दे सकता है। लेकिन स्वतंत्रता दिवस का उद्बोधन राष्ट्र के नाम ऐसा उद्बोधन होता है जो इस बात का विश्लेषण करता है कि हम कहां से कहां तक पहुंच गए। अंतरिक्ष हो या समंदर, धरती हो या आकाश, देश हो या दुनिया आज हर जगह भारत का परचम फहरा रहा है, भारत ने जितनी प्रगति की है उसे देखकर हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय मोदी को दिया जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं है, इसकी चर्चा करना राजनीतिक नहीं, भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक समृद्धि का बखान है। हर भारतवासी मोदी के उद्बोधन से इसलिये भी प्रेरित एवं प्रभावित है कि उन्होंने पहली बार समूचे देश को एक परिवार के रूप में प्रस्तुति देते हुए बहनों और भाइयों तथा मित्रों की जगह देशवासियों को परिवारजन कहकर सम्बोधित किया और 90 मिनट के भाषण में उन्होंने 26 बार परिवारजन शब्द का इस्तेमाल किया।

केवल अपना उपकार ही नहीं परोपकार भी करना है। अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए भी जीना है। यह हमारा दायित्व भी है और ऋण भी, जो हमें अपने समाज और अपनी मातृभूमि को चुकाना है। परशुराम ने यही बात भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र देते हुए कही थी कि वासुदेव कृष्ण, तुम बहुत माखन खा चुके, बहुत लीलाएं कर चुके, बहुत बांसुरी बजा चुके, अब वह करो जिसके लिए तुम धरती पर आये हो। मोदी ने भी देश की जनता में जोश एवं संकल्प जगाते हुए ऐसा ही कुछ कहा जो जीवन की अपेक्षा को न केवल उद्घाटित करता है, बल्कि जीवन की सच्चाइयों को परत-दर-परत खोलकर रख देते हैं।

भारत तो अतीत से विश्व को परिवार मानता रहा है, तभी उसने वसुधैव कुटुंबकम् का मंत्र उद्घोष किया। मोदी ने अतीत की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए विश्व को अपना परिवार मानने की भावना का परिचय कोरोना काल में दिया ही, जी-20 समूह के ध्येय वाक्य के रूप में भी वसुधैव कुटुंबकम् का चयन किया। हम भारत के लोग विश्व मंगल की कामना की पूर्ति तभी अच्छे से कर सकते हैं जब पहले राष्ट्र मंगल की भावना से ओतप्रोत हों। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी हैं, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर। यही भावना सबल सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा। अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणों वाले इस बार के उद्बोधन एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि इसमें नई संसद बनाने वाले श्रमिक, नर्सों, देशभर के कई क्षेत्रों के कामगार और सीमांत क्षेत्रों के वाइब्रेंट गांव के सरपंचों को आमंत्रित किया गया। यह श्रम की प्रतिष्ठा और श्रम की पहचान देने वाला अनूठा एवं प्रेरणस्पद आयाम था। प्रधानमंत्री ने श्रमिक वर्ग को इस बात का अहसास कराया है कि भारत के मजबूत लोकतंत्र और प्रगति में उनका योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि अन्य लोगों का। प्रधानमंत्री ने जमीन से जुड़ी प्रतिभाओं को पद्म सम्मान देकर भी भारत के जन-जन को उचित सम्मान देने की परम्परा का सूत्रपात किया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश की जनता को न केवल प्रेरित किया, बल्कि यह भरोसा भी दिलाया कि अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और विकसित राष्ट्र का सपना साकार होने को है। प्रधानमंत्री ने कामगारों के लिए चाहे वह बाल काटने वाले हों या कपड़ों की धुलाई करने वाले या फिर अन्य छोटे-मोटे धंधे करने वाले के लिए 15 हजार करोड़ की विश्वकर्मा योजना शुरू करने की घोषणा की है। ऐसे वर्गों के लिए ऐसी योजना विश्वकर्मा जयंती पर शुरू होगी। 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र को साकार करते हुए मोदी देश की तकदीर एवं तस्वीर बदलने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री ने देश में आतंकवादी वारदातें कम होने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च किया है और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। उन्होंने देशवासियों को?इस बात का अहसास कराया कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है।?उन्होंने देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान भी किया क्योंकि ये गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छीनते हैं। मणिपुर हिंसा पर उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर मणिपुर समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है और शांति से ही समस्याओं का समाधान निकलेगा। आज देश की मातृशक्ति सफलता के नए आयाम गढ़ रही है।

हिन्द स्वराज्य

बंग-भंग

प्रश्न- आप कहते हैं उस तरह विचार करने पर यह ठीक लगता है कि कांग्रेस ने स्वराज्य की नींव डाली। लेकिन यह तो आप मानेंगे कि वह सही जागृति नहीं थी। सही जागृति कब और कैसे हुई ?

उत्तर- बीज हमेशा दिखायी नहीं देता। वह अपना काम जमीन के नीचे करता है और जब वह खुद मिट जाता है तब पेड़ जमीन के ऊपर देखने में आता है। कांग्रेस के बारे में ऐसा ही समझिये। जिसे आप सही जागृति मानते हैं वह तो बंग-भंग से हुई, जिसके लिए हम लॉर्ड कर्जन के आभारी है। बंग-भंग के वक्त बंगालियों ने कर्जन साहब से बहुत प्रार्थना की, लेकिन वे साहब अपनी सत्ता के मद में लापरवाह रहे। उन्होंने मान लिया कि हिन्दुस्तानी लोग सिर्फ बकवास ही करेंगे, उनसे कुछ भी नहीं होगा। उन्होंने अपमान भरी भाषा का उपयोग किया और जबरदस्ती बंगाल के टुकड़े किये। हम मान सकते हैं कि उस दिन से अंग्रेजी राज्य के भी टुकड़े हुए। बंग-भंग से जो धक्का अंग्रेजी हुकूमत को लगा, वैसा और किसी काम से नहीं लगा। इसका मतलब यह नहीं कि जो दूसरे गैर-इन्साफ हुए, वे बंग-भंग से कुछ कम थे। नमक- महसूल कुछ कम गैर-इन्साफ नहीं है। ऐसा और तो आगे हम बहुत देखेंगे। लेकिन बंगाल के टुकड़े करने का विरोध करने के लिए प्रजा तैयार थी। उस वक्त प्रजा की भावना तेज थी। उस समय बंगाल के बहुतेरे नेता अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार थे। अपनी सत्ता, अपनी ताकत को वे जानते थे। इसलिए तुरन्त आग भड़क उठी। अब वह बुझने वाली नहीं है, उसे बुझाने की जरूरत भी नहीं है। ये टुकड़े कायम नहीं रहेंगे, बंगाल फिर एक हो जायेगा। लेकिन अंग्रेजी जहाजमें जो दरार पड़ी है, वह तो हमेशा रहेगी ही। वह दिन-ब-दिन चौड़ी होती जायेगी। जागा हुआ हिन्द फिर सो जाय, यह नामुमकिन है। बंग-भंगको रद करनेकी माँग स्वराज्यकी माँगके बराबर है। बंगालके नेता यह बात खूब जानते हैं। अंग्रेजी हुकूमत भी यह बात समझती है। इसीलिए टुकड़े रद नहीं हुए। ज्यों-ज्यों दिन बीतते जाते हैं, त्यों-त्यों प्रजा तैयार होती जाती है। प्रजा एक दिनमें नहीं बनती; उसे बननेमें कई बरस लग जाते हैं।

क्रमश: ...

भाजपा ने राजस्थान के लिए 2 चुनाव पैनलों की घोषणा की, वसुंधरा राजे का नाम गायब

नईदिल्ली। भाजपा ने गुरुवार को राजस्थान के लिए दो प्रमुख चुनाव समितियों की घोषणा की। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे इनमें से किसी भी पैनल का हिस्सा नहीं हैं। इसको लेकर एक अलग तरह की चर्चा शुरू हो गई है। राजस्थान में इस इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनाव प्रबंधन समिति और चुनाव घोषणापत्र समिति का गठन किया था। 25 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पूर्व सांसद नारायण पंचारिया हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल प्रदेश संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) समिति का नेतृत्व करेंगे।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने यह घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा के निर्देशानुसार इन समितियों की घोषणा की गई है और उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले चुनाव में दोनों समितियों के अनुभव का लाभ प्रदेश को मिलेगा।

इसके तहत घोषणा पत्र समिति की कमान केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को

जबकि चुनाव प्रबंधन समिति की कमान पूर्व सांसद नारायण पंचारिया को दी गई है। जोशी ने कहा कि पार्टी की प्रदेश संकल्प पत्र समिति के संयोजक केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल होंगे।

अर्जुन राम मेघवाल फिलहाल लोकसभा के सांसद हैं। वे पहली बार 2009 में राजस्थान के बीकानेर सीट से चुनाव जीते थे। 2013 में सर्वश्रेष्ठ सांसद के रूप में उन्हें पुरस्कृत किया गया। 2009 के बाद 2014 और 2019 में भी उन्होंने लोकसभा का चुनाव जीता। राजनीति में आने से पहले वे राजस्थान कैडर के एक आईएएस अधिकारी रहे। दलित समुदाय से आने वाले मेघवाल अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं। मोदी सरकार में भी उनके ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है। फिलहाल कानून मंत्रालय संभाल रहे हैं।

इस 25 सदस्यीय समिति में राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी व किरोड़ी लाल मीणा, राष्ट्रीय मंत्री अल्का सिंह गुर्जर, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व मंत्री प्रभु लाल सैनी तथा राखी राठौड़ को सह संयोजक बनाया गया है। वहीं प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद नारायण पंचारिया को बनाया गया है।

इस समिति में 25 सदस्य हैं। इसमें पार्टी के पूर्व प्रदेश महामंत्री ओंकार सिंह लखावत, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रदेश महामंत्री भजनलाल, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, पूर्व सूचना आयुक्त सीएम मीणा सह संयोजक व कन्हैया लाल बैरवाल सह संयोजक होंगे।

हालांकि पार्टी ने इन दोनों ही महत्वपूर्ण समितियों में पूर्व मुख्यमंत्री राजे को नहीं रखकर सबको चौंका दिया है। जब राजे की भूमिका बारे में पूछा गया तो पार्टी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने केवल इतना कहा, ''बाकी सभी वरिष्ठ नेता प्रचार करेंगे।'' विश्लेषकों के अनुसार पार्टी को अभी राज्य में प्रचार प्रसार समिति बनानी है और देखना होगा कि इसमें राजे का नाम आता है या नहीं।

विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि वसुंधरा राजे हमारी वरिष्ठ नेता हैं...हमने उन्हें कई कार्यक्रमों में शामिल किया है और भविष्य में भी उन्हें हम शामिल करते रहेंगे। बड़ा सवाल यह भी है कि वसुंधरा राजे को लेकर क्या जिम्मेदारी तय की जाएगी।

गौरतलब है कि वसुंधरा राजे 5 बार की विधायक हैं और दो बार राज्य की मुख्यमंत्री रही हैं। भाजपा के बड़े चेहरों में उनका नाम है। साथ ही साथ उनके समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री चेहरा बनाने का तलाव पार्टी नेतृत्व पर लगातार डाल रहे हैं। खुद चुनावी साल में वसुंधरा राजे काफी सक्रीय हैं। वरिष्ठ नेताओं के साथ मंच भी साझा कर रही हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं वसुंधरा राजे भी राजस्थान चुनाव को लेकर काफी अहम मानी जा रही है।

अशोल गहलोत से बोले अमित मालवीय

यदि आप राजेश पायलट का सम्मान करते हैं, तो बेटे का अपमान क्यों करें

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार को अमित मालवीय और सचिन पायलट की ट्विटर (जिसे अब एक्स के रूप में जाना जाता है) फाइट में शामिल हो गए, जो भाजपा आईटी सेल प्रमुख मालवीय द्वारा दावा किए जाने के बाद शुरू हुई थी कि राजेश पायलट ने 1966 में मिजोरम में बम गिराए थे और सचिन पायलट ने उनकी तथ्य-जांच की थी। जुबानी जंग जारी रही और अब मालवीय ने गहलोत पर निशाना साधा। दरअसल, मालवीय ने गहलोत से पूछा कि अगर वह राजेश पायलट का सम्मान करते हैं, तो वह अपने बेटे सचिन पायलट का सम्मान क्यों नहीं करते।

गहलोत ने बुधवार को ट्वीट किया था, कांग्रेस नेता श्री राजेश पायलट भारतीय वायु सेना के एक बहादुर पायलट थे। उनका अपमान करके भाजपा भारतीय वायु सेना के बलिदान का अपमान कर रही है। पूरे देश को इसकी निंदा करनी चाहिए।

मालवीय ने ट्वीट कर पूछा, चलिए, आपको राजेश पायलट के सम्मान की चिंता तो हुई! लेकिन अगर आप सच में उनके प्रति श्रद्धा का भाव रखते तो उनके बेटे सचिन पायलट को अपने मंत्रिमंडल से बेइज्जत करके बर्खास्त नहीं करते। और सार्वजनिक रूप से उनके लिए अमर्यादित निकम्मा-नकारा-कोरोना-गद्दार जैसे शब्दों का भी इस्तेमाल नहीं

करते। हर बार जब आपने सचिन पायलट का अपमान किया, तब-तब क्या आपको राजेश पायलट जी के सम्मान की चिंता नहीं हुई?

उन्होंने आगे लिखा, 1966 में मिजोरम में इंदिरा गांधी के आदेश पर भारतीय वायु सेना द्वारा किए गये हवाई हमले में राजेश पायलट और सुरेश कलमाड़ी के नाम 2011 में इंडियन एक्सप्रेस और टाइम्स ऑफ़ इंडिया जैसे प्रतिष्ठित अख़बारों में तत्कालीन असम विधानसभा की कार्यवाही में सांसद जीजी स्वेल और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डेंगहुआना का हवाला देते हुए प्रकाशित हुए थे। उसके बाद लगातार मीडिया में ये खबर आती रही।

मालवीय ने लिखा, उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और सचिन पायलट मंत्री थे लेकिन इस खबर का कभी खंडन नहीं किया गया! वैसे, राजस्थान से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला की महिलाओं और बेटियों के लिए इस्तेमाल की गई घटिया भाषा के बारे में आपको क्या कहना है?

शरद पवार की इस मोहब्बत पर कांग्रेस और उद्धव का बना प्लान बी

मुंबई। शरद पवार और अजित पवार के बीच हुई मुलाकात के बाद महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर से बड़ी हलचल शुरू हो गई है। कहने को तो इस मुलाकात के बाद एनसीपी के नेता शरद पवार ने भारतीय जनता पार्टी से लेकर प्रधानमंत्री पर बड़ा हमला बोला। लेकिन अंदरखाने की खबर के मुताबिक शिवसेना और कांग्रेस ने बगैर शरद पवार के भी अपनी सियासी रणनीति बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। महाराष्ट्र की सियासत को समझने वालों का कहना है कि शरद पवार जिस तरीके से अपनी पार्टी को तोड़ने वाले भतीजे अजित पवार के प्रति नरम रवैया अपना रहे हैं और उनसे मुलाकातों का सिलसिला चल रहा है उससे कांग्रेस और शिवसेना न सिर्फ अलर्ट हुई है बल्कि बड़ी रणनीति के तहत प्लान बी पर भी काम शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले का कहना है कि दोनों पवार नेताओं की मुलाकात के बाद जनता के मन में भ्रम है।

शरद पवार की सधी चाल पर कांग्रेस और उद्धव का प्लान बी...

महाराष्ट्र में शरद पवार और अजीत पवार की मुलाकातों के बाद सियासी सरगर्मी सिर्फ राज्य में ही नहीं बल्कि विपक्षी दलों के बड़े गठबंधन इंडिया में भी देखी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक पवार नेताओं की मुलाकात के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस ने एक नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इस नई सियासी रणनीति के मुताबिक दोनों पार्टियों के बड़े नेताओं के बीच में अंदरूनी तौर पर चर्चा इस बात की हुई है अगर शरद पवार किसी तरह अपने भतीजे अजीत पवार के खेमें से जुड़ जाते हैं तो उनका अगला कदम क्या होगा। राजनीतिक जानकारों और सूत्रों का मानना है कि ऐसी दशा में पार्टी अपना प्लान बी भी लेकर भी चल रही है। सियासी जानकारी और वरिष्ठ पत्रकार

चितरंजन वानखेड़े कहते हैं कि महाराष्ट्र में इस वक्त जिस तरीके की उठापटक चल रही है उसकी तस्वीर अभी भी गठबंधन को बिल्कुल स्पष्ट नहीं है। चितरंजन का कहना है कि शरद पवार और अजीत पवार की मुलाकातों से कांग्रेस और शिवसेना निश्चित तौर पर अपने अगले सियासी कदम और रणनीति के बारे में विचार कर सकती है।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों मैं यह दोनों पार्टियों अपने-अपने प्रभुत्व वाले इलाकों में न सर्फ बड़ी रैलियां, जनसभाएं और जनसम्मेलन करने वाले हैं बल्कि लोगों से डोर टू डोर मुलाकात का अभियान भी शुरू करने जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि प्लान बी के मुताबिक दोनों पार्टियां उन इलाकों में भी बड़ी दस्तक देने वाली है जहां पर शरद पवार का और अजीत पवार का बड़ा आधिपत्य माना जाता है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ऐसा सिर्फ उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस ही नहीं करने वाली है बल्कि शरद पवार और अजीत पवार भी अपने-अपने इलाकों में मजबूती के साथ डोर टू डोर कैंपेन शुरू कर चुके हैं। अब कांग्रेस और शिवसेना उसी मजबूती और तेजी के साथ समूचे महाराष्ट्र में इस तरह के अभियान को बढ़ाने वाली है। सियासी जानकारी का मानना है कि महाराष्ट्र की राजनीति वैसे ही पिछले एक साल से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। ऐसे में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे ने भी उसी सियासी आग को और प्रचंड कर दिया है। दरअसल मनसे के नेता राज ठाकरे ने खुलकर कहा कि शरद पवार भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलने वाले हैं। राज ठाकरे के मुताबिक उनको इस बात की पुख्ता जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र में जो अभी सियासत का बड़ा घटनाक्रम हुआ है वह शरद पवार की राजी और सहमति से ही हुआ है। अभी शरद पवार ने अपने भतीजे को भारतीय जनता पार्टी के खेमे में भेजा है बाद में शरद पवार और उनके साथ जुड़े नेता देर सवेर या लोकसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ मिल जाएंगे। राज ठाकरे की बात को लेकर महाराष्ट्र के सियासी जानकार बताते हैं कि यहां के राजनीतिक गलियारों में भी कुछ इस तरह की चर्चाएं तो हो ही रही हैं। राजनीतिक विश्लेषक आरएन तांबे कहते हैं कि यह भी संभव है कि शरद पवार लगातार विपक्षी दल के साथ मौजूद रहे और अजीत पवार भारतीय जनता पार्टी के साथ में। लोकसभा के चुनाव इसी परिस्थितियों के बीच में हो जाएंगे। उसके बाद जो परिणाम होंगे उसी के मुताबिक शरद पवार का अगला कदम होगा।

ताइवान के मुद्दे पर आग से खेल रहा अमेरिका

■ रूस की धरती से चीन के रक्षामंत्री की खुली चेतावनी

नईदिल्ली। चीन के रक्षा मंत्री ली शानगफू ने ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। ली ने अमेरिका से कहा कि वो ताइवान के मुद्दे पर आग से खेल रहा है। ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के अमेरिका में रुकने की चीन ने कड़ी आलोचना की है। चीनी रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में रुकने के लिए ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई की निंदा करने के कुछ दिनों बाद चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने ताइवान के मामले में आग से खेलने के प्रति आगाह किया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में और सिन्हुआ समाचार एजेंसी के हवाले से कहा कि अमेरिका पर निशाना साधते हुए ली ने चीन को नियंत्रित करने के लिए ताइवान का उपयोग करने के किसी भी प्रयास को चेतावनी दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विफलता में समाप्त होगा। अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पर मास्को सम्मेलन में बोलते हुए ली शांगफू ने कहा कि मुख्य भूमि के साथ ताइवान का एकीकरण अवश्यंभावी है। ली ने उल्लेख किया कि ताइवान प्रश्न चीन का आंतरिक मामला है जिसमें कोई बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि चीन का पुनर्मिलन एक अपरिहार्य ऐतिहासिक प्रवृत्ति है।

नरोत्तम मिश्रा ने दिग्विजय को चुनावी हिंदू बताते हुए बजरंग दल वाले बयान पर घेरा

भोपाल। मध्य प्रदेश में हर गुजरते दिन के साथ जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, सूबे में बजरंग दल को लेकर सियासत तेज होती जा रही है। राज्य के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के राज्य में बजरंग दल पर प्रतिबंध नहीं लगाने के बयान पर चुटकी ली और कहा कि किसी का आई फ्लू अब ठीक हो रहा है।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को भोपाल में पत्रकारों से बात करते हुए राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह पर यह परोक्ष टिप्पणी की। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता। मैंने इसके लिए इसी साल 3 मई को एक पत्र भी जारी किया था। लगता है कि किसी का आई फ्लू अब ठीक हो रहा है। उनको अब बजरंग दल अच्छा लग रहा है। कुछ ही दिनों में आई फ्लू का सारा जाल साफ़ हो जाएगा, उसके बाद सब अच्छा दिखने लगेगा।

इसके साथ ही मिश्रा ने कहा, बजरंग दल एक राष्ट्रवादी संगठन है, जिसे लेकर अबी कुछ लोगों में भावना पनपी है। कुछ दिनों के बाद सभी लोगों में पनपेगी। लेकिन अब जनता भी समझने लगी है कि आप (दिग्विजय सिंह) चुनावी हिंदू हैं।

मालूम हो कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बुधवार को कहा था कि अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई तो बजरंग दल पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने

यह भी स्पष्ट किया कि गुंडों और दंगाइयों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। दिग्विजय सिंह ने भोपाल में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम बजरंग दल पर प्रतिबंध नहीं लगाएंगे क्योंकि बजरंग दल में कुछ अच्छे लोग भी हो सकते हैं। लेकिन हम दंगों या हिंसा में शामिल किसी को भी नहीं बख्शेंगे। इसके साथ ही दिग्विजय सिंह ने पत्रकारों से हिंदुत्व के मुद्दे पर कहा, मैं हिंदू था, हिंदू हूं और हिंदू रहूंगा। मैं हिंदू धर्म का पालन करता हूं और सनातन धर्म का अनुयायी हूं। मैं सभी भाजपा नेताओं से बेहतर हिंदू हूं। उन्होंने आगे कहा, भारत हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी का देश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को देश को बांटना बंद करना चाहिए। वो देश में शांति स्थापित करें, यह देश शांति से ही आगे बढ़ेगा।

भाजपा ने बंगाल में शहीद की पत्नी को बनाया उम्मीदवार

अगरतला/कोलकाता। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य में दो विधानसभा क्षेत्रों के लिए आगामी उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। वहीं पश्चिम बंगाल से भी भाजपा ने धुपगुड़ी विधानसभा से उपचुनाव के लिए प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। यहां से भाजपा ने शहीद की पत्नी तापसी राय को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने त्रिपुरा के बॉक्सानगर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए तफज्जल हुसैन को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं बिंदु देबनाथ

को त्रिपुरा बीजेपी ने धनपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार चुना है। बॉक्सनगर और धनपुर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 5 सितंबर को होंगे। वोटों की गिनती 8 सितंबर को होगी। उल्लेखनीय है कि पार्टी ने एक बार फिर से बॉक्सनगर से भाजपा उम्मीदवार तफज्जल हुसैन पर विश्वास जताया है। 2023 में, यह निर्वाचन क्षेत्र भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने जीता था। 2023 में, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सैमसुल हक ने भारतीय जनता पार्टी के तफजल हुसैन को 4849 वोटों के अंतर से हराकर सीट जीती। दूसरी सीट, धनपुर निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा ने बिंदु देबनाथ को उम्मीदवार बनाया है। माना जा रहा है कि स्थानीय होने के नाते बिंदु देबनाथ को क्षेत्र के लोगों की चिंताओं और आकांक्षाओं की गहरी समझ है। बॉक्सानगर के सीपीआई-एम विधायक समसुल हक के निधन और धनपुर में पहले से निर्वाचित भाजपा प्रतिनिधि के इस्तीफे के कारण ये उपचुनाव आवश्यक हो गए हैं। कुल 93,234 पात्र मतदाताओं के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने की उम्मीद है। चुनावी प्रक्रिया बॉक्सनगर में 51 मतदान केंद्रों और धानपुर में 59 बूथों पर होगी। इसी तरह से, भाजपा ने पश्चिम बंगाल की जलपाईगुड़ी जिले की धूपगुड़ी (अजा) विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है।

भारतीय मुसलमान पहले हिंदू ही थे: आजाद

■ 600 साल पहले कश्मीरी पंडितों ने इस्लाम अपनाया

श्रीनगर। कांग्रेस का साथ छोड़कर डेमोक्रेटिव प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बनाने वाले जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने बड़ा बयान दिया है। आजाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हिंदू धर्म इस्लाम से भी पुराना है। सभी मुसलमान पहले हिंदू ही थे। हमारे देश में मुसलमान हिंदू से धर्मांतरण होने के बाद हुए हैं। कश्मीर में सभी मुसलमान कश्मीरी पंडितों से धर्मांतरित हुए हैं। सभी का जन्म हिन्दू धर्म में ही हुआ है।

गुलाम नबी आजाद का यह वीडियो जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले का बताया जा रहा है। गुलाम नबी आजाद ने डोडा के चिरल्ला गांव में एक सरकारी स्कूल में 9 अगस्त को एक सभा को संबोधित करते हुए कहाथा कि कश्मीरी मुसलमानों को कश्मीरी पंडितों से इस्लाम में परिवर्तित किया गया था और यहां इस्लाम से पहले हिंदू धर्म था।

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि भारत में इस्लाम 1500 साल पहले अस्तित्व में आया था जबकि हिंदू धर्म इस्लाम से भी पुराना है। 10-20 मुसलमान होंगे जो मुगल सेना के सैनिक होंगे और भारत आए होंगे। अन्यथा पूरा भारत हिंदू है और इसका उदाहरण कश्मीर में मौजूद है। 600 सौ पहले कश्मीर में कोई मुसलमान नहीं था और वहां सभी कश्मीरी पंडित थे।

आजाद ने कहा कि भारत में कोई भी बाहरी नहीं है। हम सभी इस देश के हैं। भारत के मुसलमान मूल

रूप से हिंदू थे, जो बाद में कनवर्ट हो गए। आजाद ने कहा कि हम बाहर से नहीं आए हैं इसी मिट्टी की पैदावार है। इसी मिट्टी में खत्म होना है।

उन्होंने कहा कि हमारे बीजेपी के किसी लीडर ने बताया कि कोई बार से आए हैं कोई अंदर से आए हैं। मैंने कहा कि अंदर-बाहर से कोई नहीं आया। सब हिंदू धर्म में पैदा हुए। कश्मीरी पंडितों ने इस्लाम कबूल कर लिया, इसलिए मैंने कहा कि सभी लोग हिंदू धर्म में पैदा हुए थे। हमारे हिंदू भाई मरते हैं तो उन्हें जलाया जाता हैं। उसके बाद अवशेष दरिया में डाल देते हैं, जो जल निकायों में चली जाती है। उस पानी का उपयोग सिंचाई में भी किया जाता है और वह फिर से हम फसलों के रूप में उपयोग करते हैं। उसे पी भी जाते हैं। इसी तरह मुसलमान अपने मृतकों को दफनाते हैं और जो अंतत: मिट्टी में मिल जाते हैं। हिंदू और मुस्लिम दोनों अंतत: मिट्टी में लौट आएंगे और यह सब राजनीति है। राजनीति में धर्म का सहारा लेने वाले कमजोर होते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति से धर्म का कोई सरोकार नहीं है। लोगों को धर्म के नाम पर वोट नहीं लेना चाहिए। अगर कोई धर्म के नाम पर वोट लेता है तो यह देश की प्रगति में बाधा डालता है और नफरत फैलाता है। हमारी पार्टी में धर्म का कोई स्थान नहीं है। आजाद ने लोगों से अपील की है कि हमें अपने राज्य के विकास के लिए एक साथ आना चाहिए।

भाजपा ने बदला अपना तरीका, असंभव को संभव बनाने की चुनौती

अमित शर्मा

भाजपा अपनी आक्रामक चुनावी रणनीति के लिए जानी जाती है। चुनाव के अंतिम क्षणों तक वह अपनी रणनीति में बदलाव कर विपक्षी दलों को चकित करने की नीति अपनाती रही है। टिकटों के बंटवारे का निर्णय भी बिल्कुल अंतिम समय तक चलता है। ऐसा इसलिए किया जाता है जिससे बागी उम्मीदवार पार्टी को ज्यादा नुकसान पहुंचाने की स्थिति में न रहें। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि चुनाव से तीन-चार महीने पहले ही पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उम्मीदवारों के नाम पर मंथन करना शुरू कर दिया है।

16 अगस्त को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर मंथन किया, जबकि इन राज्यों के चुनाव साल के अंत में होने हैं। भाजपा को अपनी रणनीति में इतना भारी बदलाव करने की जरूरत क्यों पड़ी है? दरअसल, एक मायने में कहें तो भाजपा इस

समय की सबसे बड़ी चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद से लेकर लालकिले की प्राचीर तक से सत्ता में लगातार तीसरी बार आने की घोषणा कर चुके हैं। एनडीए को इंडिया से मुकाबला करना है जो 400 सीटों पर भाजपा सहयोगी दलों के मुकाबले केवल एक उम्मीदवार देकर मोदी को रोकने की हर संभव कोशिश करने की तैयारी में है। लेकिन लोकसभा चुनाव के पहले पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश भी शामिल हैं जहां पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी ने लगभग क्लीन स्वीप कर दिया था।

पार्टी नेतृत्व को पता है कि इन राज्यों के चुनाव परिणामों का असर सीधे लोकसभा चुनाव पर पड़ सकता है। हालांकि, 2019 में लोकसभा चुनाव के पहले भी भाजपा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव हारी थी, और उसके बाद हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा ने इन राज्यों में लगभग क्लीन स्वीप करते हुए सत्ता पर अपनी पकड़ बना ली। लेकिन राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बार की चुनौती इतनी आसान नहीं है। पूरा विपक्ष एकजुट है। इस बार यदि भाजपा इन राज्यों में चुनाव हारती है तो इससे इंडिया गठबंधन को बड़ी ताकत मिलेगी और इसे सीधे मोदी मैजिक के समाप्त होने की तरह से घोषित किया जाएगा। इसका सबसे बड़ा असर उन फ्लोटिंग वोटर्स पर पड़ सकता है जो अंतिम समय में हवा देखकर अपना मत निर्धारित करते हैं।

दरअसल, एनडीए और इंडिया गठबंधन को वोट शेयर को देखें तो दोनों गठबंधनों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। एनडीए बहुत मामूली अंतर से विपक्षी दलों से आगे है। ऐसे में यदि दो से तीन फीसदी वोटों का भी अंतर हो जाता है तो पूरा चुनाव परिणाम बदल सकता है। मंजे हुए चुनावी रणनीतिकार अमित शाह और उनकी टीम जानती है कि ऐसे में फ्लोटिंग वोटरों का दो से तीन फीसदी बदलाव उनकी पूरी रणनीति पर पानी फेर सकता है। यही कारण है कि इस बार विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा बहुत गंभीर है और हर हाल में इन चुनावों को जीतना चाहती है।

भाजपा इन सभी राज्यों में कड़ी चुनौती से गुजर रही है। बीच के कुछ समय को छोड़ दें तो मध्य प्रदेश में भाजपा दो दशकों से सत्ता में है। उसके खिलाफ जबरदस्त एंटी इनकंबेंसी फैक्टर है। पार्टी नेताओं की आपसी गुटबाजी भी भाजपा को कमजोर कर रही है। वहीं, कांग्रेस सत्ता में आने के लिए हर संभव दांव खेल रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोडने से पार्टी की आंतरिक कलह लगभग समाप्त हो गई है और कमलनाथ-दिग्विजय सिंह एक होकर चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के नए-नए वादों ने भी मतदाताओं को आकर्षित किया है। ऐसे में मध्य प्रदेश में कांग्रेस अपर हैंड पर है, जबकि भाजपा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

लगभग यही स्थिति राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी है। वहां भी भाजपा में आंतरिक कलह सतह पर है, जबकि यहां की कांग्रेस सरकारों ने अपना खजाना खोल दिया है। जनता को हर संभव वादा कर कांग्रेस अपने पाले में करने में जुटी है। जबकि स्थानीय भाजपा महंगाई जैसे केंद्रीय मुद्दों के कारण नुकसान हो रहा है। राजस्थान में आपसी गुटबाजी पार्टी पर भारी है तो छत्तीसगढ़ में पार्टी के पास कोई चेहरा नहीं है। ऐसे में भाजपा के सामने कड़ी चुनौती है। भाजपा ने इन सभी राज्यों में चार चरणों में तैयारी शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की कमजोर सीटों पर प्रत्याशियों को अभी से घोषित कर उन्हें चुनाव के लिए पर्याप्त समय देने की योजना है जिससे वे अपनी जीत सुनिश्चित कर सकें।

गर्मियों में सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है कच्चा प्याज

रोजाना खाने से मिलेंगे ये गजब के फायदे

भारतीय रसोई में पकने वाली ज्यादातर सब्जियों का स्वाद प्याज के बिना अधूरा रहता है। इतना ही नहीं बात जब भीषण गर्मी से राहत पाने की होती है तो भी बड़े बुजुर्ग हमेशा कच्चा प्याज सलाद में खाने की सलाह देते हैं। प्याज में सल्फर, फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम, विटामिन क्ब विटामिन ष्ट मौजूद होने के साथ कई ऐसे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में भी मदद करते हैं। आइए जानते हैं गर्मियों में कच्चा प्याज खाने से सेहत को मिलते हैं क्या फायदे।

कच्चा प्याज खाने के फायदे-

पाचन-

कच्चे प्याज में मौजूद फाइबर की अच्छी मात्रा गट हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। इसका सेवन करने से पाचन ही नहीं बल्कि इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। गर्मियों में लोग अक्सर पाचन संबंधी दिक्कतों जैसे की पेट में दर्द, कब्ज, पेट फूलना और हाजमा खराब होने की शिकायत करते हैं। ऐसे में डाइट में शामिल कच्चा प्याज पाचन संबंधी इन समस्याओं से राहत पाने में मदद करता है। कच्चे प्याज को नींबू के रस के साथ खाना चाहिए।

शरीर को दे ठंडक-

प्यार की तासीर ठंडी होने की वजह से इसका सेवन गर्मियों में करने की सलाह दी जाती है। प्याज शरीर को अंदर से ठंडक देकर व्यक्ति को कई रोगों से बचाए रखने में मदद करता है।

हीट स्ट्रोक से बचाव-

गर्मियों के मौसम में तेज धूप की वजह से हीट स्ट्रोक की समस्या हो सकती है। इससे बचने के लिए आपको रोज कच्चा प्याज खाना चाहिए।

सनबर्न से बचाव-

गर्मियों में ज्यादातर लोग सनबर्न की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में प्याज न सिर्फ आपके शरीर को फायदा पहुंचाती है बल्कि त्वचा और बालों को भी हेल्दी बनाए रखने में मदद करती है। सन बर्न होने पर त्वचा पर प्याज का रस लगाएं।

ब्लड शुगर और बल्ड प्रेशर करें कंट्रोल-

प्याज में ग्लाइसेमिक इंडेक्स 10 होता है, जो ब्लड शुगर के मरीजों के लिए अच्छा माना जाता है। जबकि इसमें मौजूद कम कार्ब्स और ज्यादा फाइबर डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। प्याज में मौजूद पोटेशियम रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

जरूरत से ज्यादा तनाव पड़ सकता है सेहत पर भारी

टेंशन दूर करेगा नौकासन

आजकल ऑफिस जाने वाले व्यस्क से लेकर स्कूल गोइंग बच्चों तक को तनाव ने घेरा हुआ है। जरूरत से ज्यादा तनाव न सिर्फ आपका मूड बल्कि आपकी सेहत को भी खराब कर सकता है। ऐसे में तनाव से होने वाले नुकसान से बचे रहने के लिए समय रहते इसका उपाय खोजना जरूरी हो जाता है। ऐसे ही एक प्राकृतिक उपायों में से एक है नौकासन। नौकासन बिना किसी साइड इफेक्ट के आपकी लाइफ से स्ट्रेस को दूर करने में मदद कर सकता है। इस आसन को नौकासन इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसे करते समय व्यक्ति का आकार नाव की तरह बन जाता है। आइए जानते हैं क्या है नौकासन को करने का सही तरीका और फायदे।

नौकासन करने का सही तरीका-

नौकासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेटकर अपने हाथ जांघ के बगल और शरीर को एक सीध में रखते हुए अपने शरीर को ढीला छोड़े और सांस लेते हुए अपने सिर, पैर, और पूरे शरीर को 30 डिग्री पर उठाएं। ऐसा करते समय अपने हाथ ठीक अपनी जांघ के ऊपर रखें। धीरे-धीरे सांस लेते हुए सांस छोड़ें। शरीर को नीचे लाते समय लंबी गहरी सांस छोड़ते हुए जमीन की ओर आएं। शुरुआत में ये आसन 3 से 5 बार करें।

नौकासन के फायदे-

-नौकासन करने से पेट की चर्बी कम होने के साथ हाथों और कंधों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है।

-नौकासन आपके दिमाग को शांत रखने के साथ तनाव को दूर करने में मदद करता है।

-नौकासन कब्ज दूर करके पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

क्या है तनाव

तनाव मन स्थिति से उपजा विकार है। मन स्थिति एवं परिस्थिति के बीच असंतुलन एवं असामंजस्य के कारण तनाव उत्पन्न होता है। तनाव एक बहुत बड़ी ही बीमारी है, जो मन एवं भावनाओं में गहरी दरार पैदा करता है। तनाव अन्य अनेक मनोविकारों का प्रवेश द्वार है। उससे मन अशान्त, भावना अस्थिर एवं शरीर अस्वस्थता का अनुभव करते हैं। ऐसी स्थिति में हमारी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और हमारी शारीरिक व मानसिक विकास यात्रा में व्यवधान आता है।

पाचन संबंधी समस्याएं होना

मस्तिष्क और पाचनतंत्र वेगस नर्व्स द्वारा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। अत- जब हम स्ट्रेस्ड होते हैं, तब उसका असर पाचनतंत्र पर दिखने लगता है। तनाव के कारण भोजन को पचाने में सहायक गुड बैक्टीरिया की संख्या में कमी आती है। पेट में दर्द और अपच जैसी समस्याएं हमें परेशान करने लगती हैं।

दिन में कितने गिलास पानी पीना

हमारे शरीर खाने के साथ ही पानी की भी उतनी ही जरूरत होती है। ऐसे में पानी की कमी शरीर में तमाम सारी बीमारियां पैदा कर देती हैं। गर्मियों में डिहाइड्रेशन ही नहीं पानी की कमी से डाइजेशन, ब्लॉटिंग, किडनी इंफेक्शन और लीवर इंफेक्शन जैसी समस्या भी घेर लेती है। ऐसे में अक्सर सुनने को मिलता है कि दिनभर में कम से कम तीन से चार लीटर पानी पीना जरूरी है। लेकिन आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉक्टर दीक्षा ने सोशल मीडिया पर पानी पीने की सही मात्रा को एक्सप्लेन किया है। जिसे जानने के बाद आप भी समझ जाएंगे कि दिनभर में कितना पानी पीना सही है।

ज्यादा पानी पीने से भी होते हैं नुकसान

अगर आप अपने शरीर की आवश्यकता से ज्यादा पानी पीते हैं तो ये भी नुकसानदेह है। इससे ब्लॉटिंग, पॉलीयूरिया यानी जरूरत से ज्यादा पेशाब आना और हाइपोनाट्रैमिया, शरीर में सूजन और मेटाबॉलिज्म सिस्टम के खराब होने का भी खतरा रहता है।

हाइपोनैट्रैमिया की वजह से शरीर की सेल्स में सूजन आ जाती है और मौत तक हो जाती है। दिल की कुछ बीमारियों में कम पानी पीने की सलाह दी जाती है तो वहीं किडनी के ठीक से ना काम करने पर भी पानी कम पिया जाता है। ऐसे में ये जानना जरूरी है कि शरीर को कितने पानी की जरूरत है।

इस बारे में आयुर्वेद एक्सपर्ट का कहना है कि पानी कितनी मात्रा में लेना है ये मौसम, शरीर की एक्टिविटी और शरीर की प्रकृति पर डिपेंट करता है। पानी पीने की मात्रा तय करने के लिए बताया ये माप।

यूरिन से पहचानें कितनी मात्रा में पीना है पानी

-आयुर्वेद एक्सपर्ट का कहना है कि यूरिन के कलर को देखकर पानी पीने की जरूरत का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर पेशाब पीले रंग की या बदबूदार होती है तो जरूरत है कि शरीर में पानी पीने की मात्रा को बढ़ाया जाए।

-वहीं अगर यूरिन बिल्कुल क्रिस्टल क्लियर और बदबूदार नहीं हो रही है तो आप अपनी बॉडी की जरूरत के हिसाब से पानी पी रहे हैं। ऐसे में आपको कंफ्यूज होकर पानी की पीने की मात्रा को बढ़ाने या घटाने की जरूरत नहीं है।

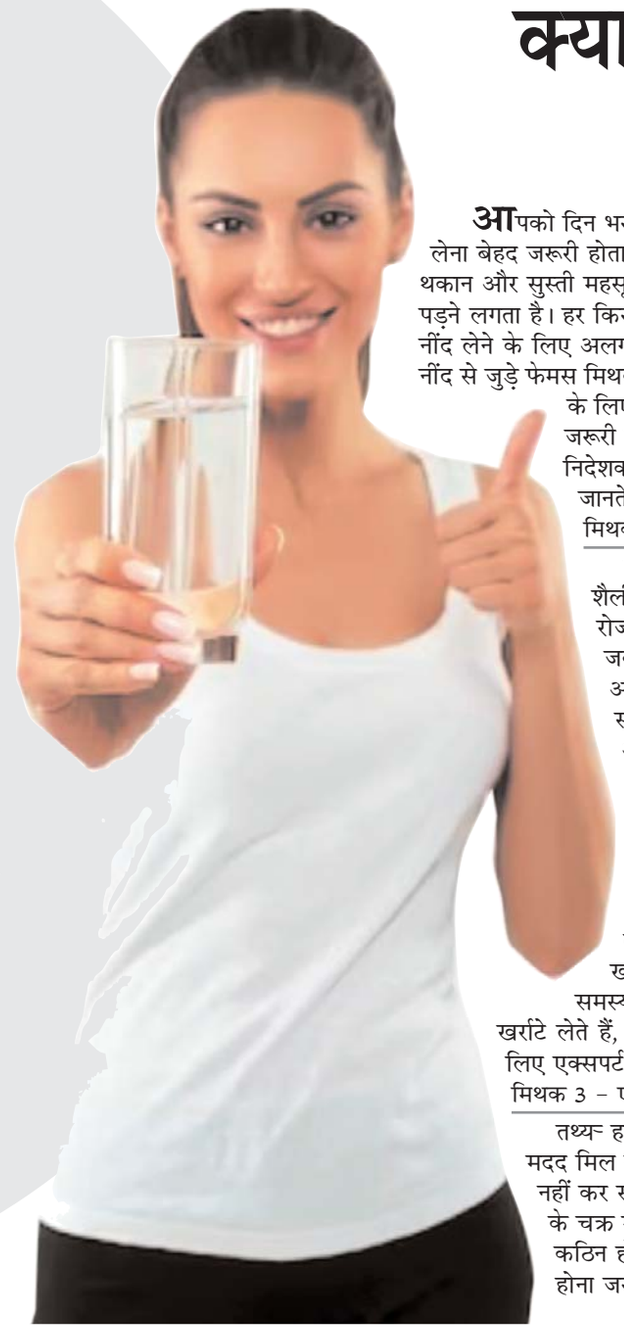

क्या 8 घंटे की नींद जरूरी है?

आपको दिन भर फ्रेश और एनर्जेटिक बनाए रखने के लिए रात को अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी होता है। अच्छी तरह न सो पाने या कम सोने वाला व्यक्ति दिनभर थकान और सुस्ती महसूस करता है। जिसका बुरा असर कई बार उसकी सेहत पर भी पड़ने लगता है। हर किसी के सोने का अपना एक अलग तरीका होता है, लोग बेहतर नींद लेने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं। ऐसे में कई बार वो जाने अनजाने नींद से जुड़े फेमस मिथकों पर भी आसानी से भरोसा कर लेता हैं। लेकिन अच्छी सेहत के लिए लोगों को नींद से जुड़े इन मिथकों की सच्चाई पता होना बेहद जरूरी है। जिसके लिए हमने गेटवे ऑफ हीलिंग की संस्थापक और निदेशक व साइकोथेरेपिस्ट डॉ. चांदनी तुगनैत से बात की है। आइए जानते हैं क्या हैं नींद से जुड़े इन मिथकों की सच्चाई।

मिथक 1 - व्यक्ति को रोज रात 8 घंटे की नींद लेनी जरूरी होती है।

तथ्य- सर्च में पाया गया है कि नींद की जरूरतें उम्र और जीवन शैली के आधार पर अलग-अलग हो सकती हैं। कुछ लोगों को रोज रात 7 घंटे से कम की नींद की आवश्यकता हो सकती है, जबकि कुछ को 9 घंटे से अधिक की आवश्यकता हो सकती है। अपने शरीर पर ध्यान दें और अपनी नींद से जुड़ी आदतों को समझें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपको जरूरत के अनुसार नींद मिल रही है।

मिथक 2 - खर्राटे लेना हमेशा नुकसानदेह नहीं होता है।

तथ्य- खर्राटे लेना कुछ लोगों के लिए नींद का एक सामान्य हिस्सा हो सकता है। लेकिन कई बार ये स्लीप एपनिया नामक नींद के विकार का भी संकेत हो सकता है। स्लीप एपनिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें नींद के दौरान व्यक्ति की सांस बार-बार बंध जाती है, जिससे नींद की गुणवत्ता भी खराब होती है और उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। यदि आप या आपका साथी जोर से या बार-बार खर्राटे लेते हैं, तो स्लीप एपनिया या अन्य नींद संबंधी विकारों से बचने के लिए एक्सपर्ट से संपर्क से मिलना एक अच्छा विचार है।

मिथक 3 - एक हफ्ते में एक बार नींद कर सकते हैं पूरी।

तथ्य- हफ्ते में ज्यादा नींद लेने से खोई हुई नींद की भरपाई करने में मदद मिल सकती है। लेकिन बता दें कि ये पुरानी नींद की कमी को पूरा नहीं कर सकता। हफ्ते में सोने से आपके शरीर के प्राकृतिक नींद-जागने के चक्र में रुकावट आ सकती है, जिससे रात में सोना और सुबह उठना कठिन हो जाता है। बेहतर नींद को बढ़ाने के लिए नींद का पैटर्न सही होना जरूरी है।

[भविष्यफल]

मेष

आज इच्छित कार्य पूर्ण होंगे। आप व्यस्त रहने से थकान महसूस करेंगे। अपनी दिनचर्या को संतुलित तथा व्यवस्थित बनाकर रखें, जिससे अधिकतर घरेलू काम समय पर पूरे होते जाएंगे।

वृष

आज मनोवांछित फल प्राप्त होगा।समय की कोई कमी नहीं रहेगी।व्यवसायिक तौर पर ग्रह स्थितियां आपके पक्ष में हैं। कार्यप्रणाली में कुछ बदलाव संबंधी योजनाएं बन सकती है।

मिथुन

आज भाग्य आपके मनोनुकूल रहेगा। समय पर कार्य सम्पन्न होंगे। कुछ समय खुद के लिए भी बीताएं। इससे आपको शारीरिक और मानसिक ताजगी के साथ ऊर्जा भी मिलेगी।

कर्क

आज आपका सामाजिक दायरा और पारिवारिक सम्बंध यश को बढाएंगे।कार्यक्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियो के सामने आपकी ही यशोगाथा रहेगी। आपका कोई कर्मचारी साथी आपकी योजना को लीक कर सकता है।

सिंह

आपकी ऊर्जा आज आपका भरपूर साथ देंगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों का आप बखूबी निर्वाह करेंगे। आपका उदारवादी व सहायक दृष्टिकोण सामाजिक कार्यों में एक बेहतरीन मिसाल के रूप में सामने आएगा।

कन्या

आज आपका मनोबल बढेगा। शत्रु पक्ष परास्त होंगे। लेकिन सावधानी फिर भी रखनी पडेगी। कोई भी व्यापारिक नया काम आज न शुरू करें तो सही है। आज स्थिति अधिक आपका साथ देगी है।

तुला

आज आध्यात्मिक कार्यो में रूचि और बढेगी। आप अधिकतर समय धार्मिक तथा सामाजिक संबंधी सहयोगात्मक कार्य में व्यतीत होगा। गुप्त विद्याओं के प्रति भी आपका विशेष रुझान हो रहा है।

वृश्चिक

आज आप अधिकतर समय व्यस्त रहने मे व्यतीत होगा। अपने कुछ नजदीकी और विश्वसनीय मित्रों के साथ अपने कामकाज संबंधी विचार-विमर्श अवश्य करें। आपको बेहतरीन मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

धनु

आज किस्मत आपके साथ है। व्यवसायिक विकास के लिए किसी प्रभावशाली व्यक्ति का साथ तथा आपके राजनीतिक संपर्क बहुत अधिक लाभदायक साबित होने वाले हैं।

मकर

आज मन की सुने और खुश रहें। अपने कार्यों से संबंधित नीतियों पर दोबारा विचार करके उनमें और अधिक सुधार लाने की कोशिश करें सफलता आपका इंतजार कर रही है।

कुंभ

आप आपकी सकारात्मक सोच आपको ऊँचाइयों तक ले जाएगी। अपना पूर्ण ध्यान अपने कार्यस्थल पर केंद्रित रखें तथा दूसरों की सलाह की अपेक्षा अपने विचारों को ही प्राथमिकता दें।

मीन

आज आप शान्तिपूर्ण तरिके से समय बिता पाएंगे। कोई भी काम करने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोच-विचार अवश्य करें। इससे परिस्थितियां पूर्णता आपके पक्ष में हो जाएगी।

लंबे बालों के लिए रगड़ रहे हैं नाखून तो जानिए क्या है साइंस

किन लोगों को इससे बचना चाहिए

हेल्थ के लिए योगा खूब फायदेमंद है। अलग-अलग तरह के योगासन के अपने फायदे हैं। यहां कुछ योगासन फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने के काम आते हैं तो वहीं कुछ योग की मदद से वेट लॉस किया जा सकता है। बालों को बढ़ाने के लिए सबसे फेमस योगासन नाखूनों को रगड़ने का है। इस योगासन को बालायम कहते है। ये बालों की बहुत सारी समस्याओं जैसे समय से पहले सफेद होना, बालों का झड़ना और सभी प्रकार के नुकसान का ख्याल रखता है। इस आसन को लेकर साइंस का भी कुछ कहना है। यहां जानिए इस आसन से जुड़ी सभी डिटेल्स।

क्या है बालायम?

नाखूनों को रगड़ना, बालों की ग्रोथ के लिए एक वैकल्पिक रिफ्लेक्सोलॉजी थेरेपी है। जिसमें कुछ मात्रा में बल के साथ समान नाखूनों को एक साथ रगड़ना शामिल

है। कुछ लोग मानते हैं कि ये तकनीक वास्तव में काम करती है, हालांकि, कुछ इसमें कमियां निकालते हैं।

कैसे करें बालायम

रिपोर्ट्स की मानें तो रोजाना कम से कम 5-10 मिनट तक नाखूनों को रगड़ने से आपके बाल फिर से बढ़ सकते हैं। इसे करने के लिए आपको अपने अंगूठे को छोड़कर अपने सभी नाखूनों को रगड़ना है। इस एक्सरसाइज को लेकर ये दावा किया जाता है कि ये गंजेपन को कम कर सकता है और आप अपनी सामान्य हेयरलाइन वापस पा सकते हैं। यह बालों को सफेद होने और बालों के झड़ने को रोकने का भी दावा करता है।

क्या है इसके पीछे साइंस

कहते है कि आपके नाखूनों के नीचे कुछ तंत्रिका-अंत होते हैं जो आपस में रगड़ने पर उत्तेजित होते हैं। ऐसे में यह दावा किया जाता है कि जब आप अपने नाखूनों को रगड़ते हैं, तो आप डेड या अनुत्पादक बालों के रोम को पुनर्जीवित करने के लिए एडल्ट स्टेम कोशिकाओं को संकेत भेजने के लिए अपने मस्तिष्क को उत्तेजित करते हैं। नाखूनों को रगड़ने से आपके स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ता है, जिससे आपके रोम छिद्र मजबूत होते हैं। ऐसे में बालों की समस्याएं कम होती हैं। हालांकि, इन दावों की पुष्टि के लिए कोई वैज्ञानिक शोध नहीं किया गया है।

किन लोगों को इससे बचना चाहिए

रिपोर्ट्स की मानें तो नाखूनों को रगड़ने के कई फायदे हैं। लेकिन हाई ब्लड प्रेशन वाले लोगों को बालायम नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। प्रेग्नेंट महिलाओं को भी इसे न करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे गर्भाशय में संकुचन या हाई ब्लडप्रेशर हो सकता है। यह भी माना जाता है कि इसे करने पर कभी-कभी नींद आ सकती है, इसलिए इसे काम के घंटों के दौरान या वाहन चलाने से पहले करने की सलाह नहीं दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री डहरिया आज कोरबा में लेंगे समीक्षा बैठक

रायपुर। नगरीय प्रशासन विकास एवं श्रम मंत्री एवं कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया शुक्रवार 18 अगस्त को दोपहर 01 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष कोरबा में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। मंत्री डॉ. डहरिया 18 अगस्त को सुबह 11 बजे पुलिस ग्राउंड रायपुर से हैलीकाप्टर द्वारा कोरबा के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 12.10 बजे सर्किट हाउस कोरबा में कार्यकर्ताओं से भेंट/चर्चा करेंगे। समीक्षा बैठक उपरांत वे शाम 4.30 बजे मुड़ापार हेलीपैड-हेलीकाप्टर से रवाना होकर 5.30 बजे रायपुर लौट आएंगे।

कन्हैया अग्रवाल ने दिया टिकट के लिए आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा विधानसभा चुनाव के संभावित प्रत्याशियों के लिए निर्धारित की गई प्रक्रिया के तहत आज रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से कन्हैया अग्रवाल ने महंत लक्ष्मीनारायण दास ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सचिन शर्मा को अपना आवेदन सौंपा। गौरतलब है कि पिछला चुनाव उन्होने इसी सीट पर काफी कम मतों के अंतर से हारा था और हारने के बाद भी लगातार पांच अपने विधानसभा में सक्रिय रहे। इसलिए उनकी दावेदारी पुख्ता मानी जा रही है। फिलहाल आवेदन देने के लिए अभी समय है और कितने दावेदार अपनी दावेदारी ठोंकते हैं बाद में ही पता चल पायेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद की वार्षिक आमसभा 24 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद रायपुर की वार्षिक आमसभा गुरुवार, 24 अगस्त को दोपहर 3 बजे से वृन्दावन हाल में आयोजित की गई है। इस आमसभा के एजेंडा में मुख्य रूप से पूर्व में आयोजित आमसभा का पालन प्रतिवेदन, कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिए गए निर्णय का अनुमोदन, वित्तीय वर्ष 2022-23 के आडिट प्रतिवेदन का अवलोकन एवँ अनुमोदन, वित्तीय वर्ष 2023-24 बजट का अवलोकन, परिषद के रूल्स एवँ रेगुलेशन में संशोधन हेतु कार्यवाही, आगामी कार्यकारिणी एवँ पदाधिकारियों के निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति एवँ प्रक्रिया पर चर्चा उपरांत अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। यह जानकारी छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के संयुक्त सचिव राजेन्द्र निगम ने दी।

चैंबर का प्रतिनिधिमंडल मिला पुलिस महानिदेशक जुनेजा से

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने श्री अशोक जुनेजा, पुलिस महानिदेशक, रायपुर से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष-विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, उपाध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी, मनोज जैन, मंत्री निलेश मूंधड़ा एवं अमित अग्रवाल उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के तीसरे चरण की शुरूआत आज से

रायपुर। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के तीसरे चरण की शुरूआत 18 अगस्त से विकासखंड व नगरीय क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिता से होगी। यह स्पर्धा दूसरे चरण में आयोजित जोन स्तरीय विजेता प्रतिभागियों एवं दलों के मध्य होगी। प्रतियोगिता का समापन 23 अगस्त को होगा। पहले चरण में राजीव युवा मितान क्लब स्तर की प्रतियोगिता 17 जुलाई से 22 जुलाई तक एवं दूसरे चरण में जोन स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 26 जुलाई से 31 जुलाई तक किया गया था। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर वर्ष 2022 में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने, खेलों के प्रति जागरूकता फैलाने, खिलाडियों को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से छत्तीसगढिया ओलंपिक की शुरूआत की गई। प्रथम छत्तीसगढिया ओलंपिक को अभूतपूर्व लोकप्रियता मिली थी और गांवों से लेकर शहरों तक बूढ़े, बच्चों एवं महिलाओं ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। अभी चल रहे छत्तीसगढिया ओलंपिक को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। छत्तीसगढिया ओलंपिक के तीसरे चरण की स्पर्धा में ग्रामीण क्षेत्रों के जोन स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी एवं दल विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में एवं नगरीय क्षेत्रों के जोन स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी एवं दल नगरीय क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। नगरीय स्तर की प्रतियोगिता में जिन जिलों में नगर निगम हैं, वहां यह प्रतियोगिता नगर निगम मुख्यालय पर नगरीय क्लस्टर स्तर पर होगी।

शहरी बेघरों के लिए होंगे पर्याप्त आश्रयस्थल: मिश्र

राज्य स्तरीय आश्रय स्थल निगरानी समिति की बैठक में अध्यक्ष श्री सुयोग्य मिश्र ने दिये निर्देश

रायपुर। शहरी बेघरों के लिए आश्रयस्थलों में पर्याप्त व्यवस्था हो, इसके लिए नगर निगमों में शहरी बेघरों के अद्यतन आंकड़ों का सर्वे कर इसके मुताबिक आश्रयस्थल की क्षमता निर्धारित की जाएगी। इसके साथ ही आश्रयस्थलों के चिन्हांकन में लोकेशन का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आश्रयस्थल ऐसे जगहों पर आरंभ किये जाएंगे जो स्टेशन, बस स्टैंड, श्रमिकों की आवाजाही वाली जगहों के निकट हों। यह निर्देश राज्य स्तरीय आश्रय स्थल निगरानी समिति की राजधानी स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में समिति के अध्यक्ष श्री सुयोग्य कुमार मिश्र ने दिये। बैठक में श्री मिश्र ने कहा कि आश्रयस्थल यहां आने वाले शहरी बेघरों के लिए उपयोगी हों, इसमें बुनियादी अधोसंरचनाएं और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों और समय-समय पर इसकी मानिटरिंग होती रहे।

श्री मिश्र ने कहा कि आश्रय स्थलों के लिए पर्याप्त फंडिंग भी बहुत जरूरी है ताकि यहां आने वाले बेघरों के लिए जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए

सीएसआर से तथा निराश्रित निधि से सहायता ली जा सकती है। बहुत से धार्मिक संस्थान, व्यावसायिक संगठन तथा चेंबर आफ कामर्स आदि शहरी बेघरों की सहायता के लिए इच्छुक रहते हैं। इनसे संपर्क कर आश्रयस्थलों को दी जाने वाली सुविधाओं के लिए मदद ली जा सकती है। ऐसी फंडिंग से यहां उपयोगी गतिविधियां शुरू हो सकेंगी। आश्रयस्थलों में रचनात्मक गतिविधियां भी की जा सकती हैं ताकि यहां बेहतर वातावरण बनाने में मदद मिले।

श्री मिश्र ने कहा कि आश्रयस्थलों के निर्माण में लोकेशन का महत्व काफी है। जो लोकेशन भीड़भाड़ वाली जगहों के पास होती है वो ज्यादा उपयोगी होती हैं और इससे आश्रयस्थल का उद्देश्य भी पूरा होता है। इसके साथ ही आश्रयस्थल का व्यापक प्रचार-प्रसार भी हो ताकि लोगों को इसके बारे में जानकारी रहे।

बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे ने कहा कि संयुक्त संचालक नियमित रूप से आश्रयस्थलों की मानिटरिंग करें। उन्होंने खैरागढ़ में आश्रय स्थल भवन निर्माण कार्य आगामी सितंबर माह के पहले सप्ताह तक पूर्ण होने की जानकारी दी और बताया कि बस स्टैण्ड, भाटापारा एवं नगर पालिका परिषद कार्यालय रतनपुर के समीप बनने वाले आश्रय स्थल भवन के निर्माण हेतु निविदा की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है।

राज्य स्तरीय आश्रय स्थल निगरानी समिति की बैठक में समिति द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशों के परिपालन में की गई कार्यवाही से अवगत कराया गया। गौरतलब है कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत राज्य में 51 आश्रय स्थल स्वीकृत हैं, जिनमें से 47 आश्रय स्थल वर्तमान में संचालित है एवं 1 आश्रय स्थल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं।बैठक में नगर पालिक निगम, धमतरी एवं बीरगांव के आयुक्त तथा नगर पालिक निगम, रायपुर, भिलाई एवं बिलासपुर के प्रतिनिधि तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सूर्यकिरण तिवारी, उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेंद्र कुमार दोहरे, परियोजना अधिकारी श्रीमती जागृति साहू एवं नगर पालिका परिषद भाटापारा, रतनपुर एवं खैरागढ़ के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण जरूरी: जैन

रायपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने अधिकारियों से कहा है कि प्रदेश में कोई भी बच्चा एवं गर्भवती माता बीमारियों से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण से वंचित नही हो ऐसे समुचित प्रयास किए जाए। आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में नियमित टीकाकरण अंतर्गत मिशन इंद्रधनुष 5.0 की राज्य स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इंद्रधनुष 5.0 टीकाकरण अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों एवं गर्भवती माताओं का टीकाकरण किया जाएगा। इसके तहत राज्य के सभी जिलों में टीकाकरण से वंचित रह गए एवं छूटे हुए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का सर्वे कर टीकाकरण किया जाएगा। यह कार्यक्रम तीन चरणों में होगा। पहला चरण 21 से 26 अगस्त 2023 तक, दूसरा चरण 20 से 26 सितम्बर 2023 तक तथा तीसरा चरण 25 से 31 अक्टूबर 2023 तक चलाया जाएगा। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी पिल्ले मौजूद थी। मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि इंद्रधनुष मिशन के तहत ऐसे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जाए जहां नियमित टीकाकरण नही हुआ है ऐसे क्षेत्र स्लम ऐरिया, ईट भट्टे, घूमंतू एरिया एवं अन्य जोखिम क्षेत्रों, गांवों एवं शहरी क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण अभियान चलाकर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाए।

1 से 5 तक के पाठ्यक्रम में शामिल होंगे आदिवासी क्षेत्रों की बोली

■ **संचालक एससीईआरटी ने स्थानीय भाषाओं में 15 सितम्बर तक प्रथम पांडुलिपि तैयार करने कहा**

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आगामी शिक्षा सत्र से छत्तीसगढ़ भाषा एवं आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय बोली को कक्षा 1 से 5 तक के पाठ्यक्रम में शामिल करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा की गई इस घोषणा पर कार्यवाही के लिए बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

श्री राजेश सिंह राणा ने मुख्यमंत्री की घोषणा से अवगत कराते हुए सभी अशासकीय संगठनों से बहुभाषा शिक्षण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों और अनुभव की संक्षिप्त जानकारी ली। उन्होंने मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) के भाषागत लक्ष्यों, सीखने के प्रतिफलों को ध्यान में रखते हुए एससीईआरटी की अकादमिक टीम के साथ सहयोग करने कहा। श्री राणा ने इस कार्य के लिए कक्षा 1 से कक्षा 5 तक सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी भाषा (रायपुर एवं बिलासपुर संभाग), सरगुजिहा, हल्बी, गोड़ी, सादरी, कुडुख स्थानीय भाषाओं में 15 सितम्बर तक प्रथम पांडुलिपि तैयार कर प्रस्तुत करने कहा है। अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने कक्षा 1 से 3 तक इस क्षेत्र में कार्य किए जाने वाली स्थानीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री निर्माण कर, दी गई समय सीमा में प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया है।

भूपेश ने मुख्यमंत्री सुक्खू से फोन पर की बातचीत

■ **प्राकृतिक आपदा पर कहा- हम साथ हैं**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने आज गुरवार को हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर बातचीत की। हिमाचल प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा को लेकर वहां की हालातों पर चर्चा की। इस दौरान ने सीएम भूपेश ने फोन पर कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण कठिन समय से गुजर रहे देवभूमि हिमाचल प्रदेश के इस त्रासदी में सभी देशवासी एकजुट हैं। हर प्रकार के आवश्यक प्रयासों में हम साथ खड़े हैं।

इस संबंध में सीएम ने ट्वीट कर मामले की जानकारी दी। सीएम ने ट्वीट कर लिखा कि %हिमाचल प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा को लेकर वहां की हालातों पर चर्चा की। इस दौरान ने सीएम भूपेश ने फोन पर कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण कठिन समय से गुजर रहे देवभूमि हिमाचल प्रदेश के इस त्रासदी में सभी देशवासी एकजुट हैं। हर प्रकार के आवश्यक प्रयासों में हम साथ खड़े हैं।

हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा ने तबाही मचा कर रख दी है। मंडी, शिमला, कुल्लू, जिला सिरमौर और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में 1,220 सड़कें बंद हैं। इससे बुधवार को भी दो हजार से ज्यादा रूट प्रभावित रहे। पेयजल स्त्रोतों में गाद आने से लोगों के घरों में पानी नहीं जा रहा है। मंडी की सबसे ज्यादा 541 समेत 1,235 पानी की स्कीमें ठप हैं। उधर, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बाढ़ के हालत बने हैं। वायु सेना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में 780 से ज्यादा लोगों को बचाया है। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि पश्चिमी वायु कमान के हेलिकॉप्टरों ने पिछले 48 घंटों में 50 से ज्यादा उड़ानें भरीं हैं।

इस दौरान हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में 780 से अधिक नागरिकों को बचाया गया। कांगड़ा जिले के फ़तेहपुर उप-मंडल में चल रहे राहत और बचाव कार्यों पर कांगड़ा के उपायुक्त निपुण जिंदल ने बताया कि 15 अगस्त को कुल 800 फंसे हुए नागरिकों को बचाया गया था। एनडीआरएफ, भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना का बचाव अभियान जारी है। अब तक बचाए गए लोगों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। उनके लिए राहत शिविर भी स्थापित किए गए हैं।

इससे पहले बुधवार को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांगड़ा जिले के इंदौरा और फतेहपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया था। उन्होंने पोंग जलाशय की बाढ़ग्रस्त निचली धारा में चल रहे निकासी प्रयासों और अन्य राहत कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने डमटाल और शेखपुरा में राहत शिविरों में लोगों से बातचीत करते हुए उनका कुशलक्षेम पूछा और उन्हें सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। सीएम ने राज्य के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ से हुई जान-माल की हानि पर भी चिंता व्यक्त की। सुक्खू ने कहा कि सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है। सैकड़ों स्थानीय लोगों ने असहाय होकर अपने घरों को बहते देखा, जबकि फसल काटने वाले विशाल क्षेत्र पानी में डूब गए, जिससे किसानों को अप्रत्याशित नुकसान हुआ। आपदा प्रबंधन के प्रमुख सचिव, ओंकार चंद शर्मा ने कहा कि 13-15 अगस्त तक लगातार बारिश ने कुल 71 लोगों की जान ले ली है।

सामरी विधानसभा सीट का चुनावी गणित एसटी वर्ग यहां है किंगमेकर!

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में कुल 14 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से एक सीट है सामरी विधानसभा सीट। सामरी विधानसभा में वन संपदा भरपूर है। चारों तरफ घने जंगलों से ये घिरा हुआ है। ये क्षेत्र झारखंड की सीमा से लगा हुआ है। यहां बाक्साइट की खदानें है। राज्य को राजस्व देने वाला यह विधानसभा क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। ये पूरा क्षेत्र नक्सल प्रभावित है। यहां करीब 60-65 फीसद अनुसूचित जनजाति की आबादी है। इनमें गोंड, कंवर, उरांव और खैरवार जनजाति के सर्वाधिक मतदाता हैं।

सामरी विधानसभा सीट पर 197591 हैं। इनमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 98626 से है। वहीं, महिला मतदाताओं की संख्या 98965 है। यानी कि इस सीट पर महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं के मुकाबले अधिक है।

यह सीट अविभाजित मध्यप्रदेश में भी थी। सालों बीतने के बावजूद सामरी में कई सुविधाओं का अभाव है। उस कमी को पूरा करने की मांग यहां की जनता सालों से करती आ रही है। यहां रोजगार की समस्या प्रमुख मुद्दा है। उद्योग धंधे न होने के कारण यहां के स्थानीय युवा बेरोजगार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की हालत जर्जर है। कई गांव के लोग रेल विस्तार की मांग कर रहे हैं। हाथियों के उत्पात से लोग पीड़ित हैं। इस सीट पर सरकारी योजनाएं धरातल पर नहीं पहुंचती है। योजनाएं महज कागजों तक ही सीमित है।

2018 विधानसभा चुनाव की तस्वीर- साल 2018 के विधानसभा चुनाव में सामरी विधानसभा सीट पर 82.31 फीसदी वोटिंग हुई। इसमें कांग्रेस को 49.51 फीसदी, भाजपा को 36.05 फीसदी वोट मिले थे। सामरी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी चिंतामणि महाराज ने 80620 वोटों से जीत हासिल की थी। भाजपा प्रत्याशी सिद्धनाथ पैकरा को 58697 वोट मिले थे।

सामरी विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां करीब 65-70 फीसदी अनुसूचित जनजाति के लोग हैं। इनमें गोंड, कंवर, उरांव और खैरवार जनजाति के लोग अधिक हैं। यहां पहाड़ी कोरवा, कोड़ा, कोरिया पंडो, उरांव, नगेसिया, भुईहर जनजाति के लोग रहते हैं। यहां करीब 25-30 फीसद आबादी ओबीसी और सामान्य लोगों की है। इस सीट पर कंवर जनजाति के उम्मीदवारों पर ही कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों का फोकस रहता है।कंवर जनजाति के उम्मीदवार ही यहां से जीत हासिल करते रहे हैं। साल 2003 और 2008 में यहां से भाजपा के टिकट पर सिद्धनाथ पैकरा चुनाव जीतकर विधायक बने। साल 2013 में कांग्रेस से डॉक्टर प्रीतम राम ने जीत हासिल की। वहीं, साल 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी चिंतामणि महाराज विधायक बने।

अमित शाह चौथी बार, तो खड़गे दूसरी बार आएंगे छत्तीसगढ़

■ **चुनावी समर में उतरे भाजपा-कांग्रेस के दिग्गज नेता**

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव होने में महज ढाई महीने ही शेष बचे हैं। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस केंद्रीय नेता छत्तीसगढ़ पर लगातार फोकस किए हुए हैं। दोनों पार्टियों के दिग्गज नेता प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। दोनों दलों के नेता पूरी तरह से चुनावी समर में कूद चुके हैं। इस क्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 20 अगस्त को रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में, तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 26 अगस्त, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 2 सितंबर और केसी वेणुगोपाल 19 सितंबर को छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे।

दोनों पार्टियों के नेता अपने-अपने नेताओं की चुनावी रैली की तैयारी में जुट गए हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह चौथी बार छत्तीसगढ़ आ रहे हैं, तो वहीं खड़गे एक महीने के भीतर दूसरी बार प्रदेश आएंगे। इससे पहले वो जांजगीर चांपा में कांग्रेस के संकल्प शिविर में आए थे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल के सितंबर के आखिर में यानी 19 सितंबर को आने की संभावना है। इसके अलावा केरल के वायनॉड से सांसद राहुल गांधी के सितंबर के पहले सप्ताह यानी 2 तारीख को छत्तीसगढ़ आ सकते हैं। बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर लगातार छत्तीसगढ़ का दौरा कर रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा भी कांग्रेस के संकल्प शिविर में पहुंचकर नेताओं से लगातार फीडबैक ले रही हैं। दोनों नेता प्रदेश में ही डेरा जमाए हुए हैं। इसके अलावा दोनों पार्टियों का केंद्रीय नेतृत्व भी प्रदेश में पैनी नजर गड़ाए हुए हैं। जहां एक तरफ कांग्रेस नेता जनता को अपने भूपेश सरकार की साढ़े चार साल की उपलब्धियों को गिना रहे हैं, तो वहीं बीजेपी नेता मोदी सरकार की उपलब्धियों का बखान कर रही है। केंद्रीय योजनाओं की सफलता गिना रही है। इस बार का चुनाव पार्टी सिंबल के अलावा प्रत्याशी चयन में भी काफी महत्वपूर्ण रहेगा।

भाजपा ने तीन बार के घोषणा पत्र के 31 में से 25 वायदों को पूरा नहीं किया: कांग्रेस

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के लिये घोषणा पत्र जनता को ठगने का दस्तावेज होता है। भाजपा हर चुनाव के पहले घोषणा पत्र बनाती है जिसको संकल्प पत्र नाम देती है लेकिन कभी घोषणा पत्र के वायदों को पूरा नहीं करती है। तीन बार 2003, 2008, 2013 के चुनाव में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में जो वायदे किया था। यह वह घोषणायें है जिसे उसने तीनों बार फ्रंट पेज में छापा था। तीन चुनावों में 31 वायदे किये जिनमें 25 को पूरा नहीं किया।

पत्रकारों से चर्चा करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा में यही अंतर है। हमारे लिये घोषणा पत्र वायदा निभाने का पवित्र दस्तावेज होता है, भाजपा के लिये यह एक चुनावी हथियार मात्र होता है। यह भाजपा के तीन बार के घोषणा पत्रों के फ्रंट पेज में छपी घोषणाओं के विश्लेषण से स्पष्ट होता है। भाजपा ने तीन चुनावों में 2003, 08, 13 में 150 से अधिक वायदे किया था जिसमें से 30 प्रतिशत भी पूरा नहीं

किया। कांग्रेस ने 5 सालों में 36 में से 34 वायदे पूरा किया। हिन्दू धर्म में संकल्प पवित्र शब्द माना जाता है जब हम कोई भी पूजा, पाठ अनुष्ठान करते है तो कुश जल लेकर संकल्प लेते है। भाजपा ने तीन बार अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र नाम देकर लगातार उस संकल्प की अवहेलना करने का महापाप करती रही है। पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह, सुरेंद्र वर्मा, वंदना राजपूत, नितिन भंसाली, अमित श्रीवास्तव, अजय गंगवानी, जावेद खान उपस्थित थे।

भाजपा का घोषणा पत्र 2003

हर जरूरतमंद बेरोजगार 12वी पास युवाओं एवं युवतियों को 500 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देंगे - नही दिया। लघु एवं सीमांत किसानों को कर्जा माफ - नहीं किया। छत्तीसगढ़ के 146 विकासखण्डों में 1500 से अधिक दाल भात सेन्टर खोले जायेंगे। इन सेन्टरों पर मात्र पांच रूपये में उपलब्ध होगा दाल-भात - एक साल में सभी बंद हो गये। प्रत्येक आदिवासी परिवार को एक गाय - नहीं दिया। प्रोफेशनल टैक्स की समाप्ति - 15 सालों तक नहीं किया। 1990 तक वन भूमि घर काबिज आदिवासियों को उनके पट्टे दिये जायेंगे - नहीं दिया। भू-भाटक की पूर्णतः समाप्ति - नहीं किया। हर आदिवासी परिवार से एक को सरकार नौकरी। 2003 के ही प्रमुख वायदो में एक पूरा किया, एक आधा पूरा किया, 7 पूरा नहीं किया।

भाजपा का घोषणा पत्र 2008

अंत्योदय राशन कार्ड-1 रू. किलो चांवल। मुफ्त नमक (32 लाख परिवारों को)। धान पर 270 रू. बोनस - नहीं दिया। किसानों को 1,2,3,4,5, हार्स पावर पम्पों पर मुफ्त बिजली - नहीं दिया। किसानों को ब्याज मुक्त ऋण - नहीं दिया। पलायन मुक्त छत्तीसगढ़ - लगातार पलायन जारी था। भय मुक्त छत्तीसगढ़ - नक्सल गतिविधियां चरम पर। उच्च शिक्षा के लिये ब्याज मुक्त ऋण - नहीं दिया। 2008 के 8 वायदो में 6 पूरा नहीं किया।

भाजपा का घोषणा पत्र 2013

गरीब जनता को अब एक रुपये किलो में चावल। 2100 रू. धान के समर्थन मूल्य हेतु पहल - नहीं दिया। 300 रू. प्रति क्विंटल प्रतिवर्ष बोनस - नहीं दिया। किसानों को ब्याज मुक्त ऋण - नहीं दिया। नोनी सुरक्षा योजना - सरकारी आश्रमों झलियामारी तक में बच्चियां सुरक्षित नहीं थी। कॉलेज प्रवेश लेते ही युवाओं को लैपटॉप/टैबलेट - एक वर्ष दिया। शिक्षित बेरोजगारों को 3 प्रतिशत ब्याज पर ऋण - नहीं दिया। स्व सहायता समूहों को दो लाख रू. ब्याज मुक्त ऋण - नहीं दिया। खेतिहर मजदूरों का शत-प्रतिशत बीमा - नहीं किया। निराश्रिम पेंशन दोगुना किया जायेगा - नहीं किया। पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण एवं वित्त विकास निगम का गठन - नहीं किया भूपेश सरकार ने किया। स्मार्ट कार्ड में पचास हजार रूपये तक प्रतिवर्ष इलाज। मेट्रो एवं मोनो रेल योजना - नहीं शुरू हुई। छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम का गठन - नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ी राजभाषा के 8वीं अनुसूची में शामिल करने का समग्र प्रयास - नहीं किया। 2013 के 15 वायदों में से 13 पर कुछ नहीं किया, 2 में से एक वायदा केन्द्र सरकार की योजना थी, दूसरा हर चुनाव में भुनाते थे 1 रू. किलो चावल का। संकल्प पत्र के नाम पर जनता को बार-बार ठगने वाली भाजपा एक बार फिर से जनता की आंखों में धूल झोंकने फिर से घोषणा पत्र बनाने की नौटंकी कर रही है। भाजपा के पुराने रिकार्ड बताते है कि उसके लिये घोषणा पत्र चुनावी सब्जबाग है। इसके विपरीत हमने 36 वायदे किये और 5 सालों में 36 में से 34 पूरा कर दिया। भाजपा कुछ भी कर ले जनता अब उनके बहकावे में नहीं आयेगी।

मिली है जिम्मेदारी, देंगे पटखनी: विजय बघेल

छत्तीसगढ़ भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 21 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। गुरुवार को जारी सूची के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विधानसभा क्षेत्र पाटन सीट से दुर्ग सांसद विजय बघेल को टिकट दिया गया है। 2008 के विधानसभा चुनाव में विजय बघेल ने भूपेश बघेल को हराया था। रामानुजगंज से पूर्व मंत्री रामविचार नेताम चुनाव लड़ेंगे। 21 में से 17 नए चेहरों पर पार्टी ने दांव खेला है। पार्टी ने संकेत दिया है कि जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को पार्टी टिकट देगी। बुधवार को भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक दिल्ली में हुई थी। इसमें 21 प्रत्याशियों के नाम पर सहमति बनने के बाद सूची जारी हुई है।

रायपुर। भाजपा की पहली सूची में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मुकाबले भाजपा ने विजय बघेल को उतारा है। भूपेश बघेल कका (चाचा) और विजय बघेल रिश्ते में भतीजा हैं। कका और भतीजा तीन बार विधानसभा चुनाव में पाटन सीट पर आमने-सामने हुए हैं, जिसमें दो बार (वर्ष 2003 और 2013) भूपेश बघेल और एक बार (वर्ष 2008) में विजय बघेल को जीत मिली थी। पिछले चुनाव में भाजपा ने भूपेश बघेल के मुकाबले मोतीलाल साहू को उम्मीदवार बनाया था, जिनको बघेल ने 27477 वोट से हराया था। 21 प्रत्याशियों की पहली सूची में बस्तर से लेकर सरगुजा तक की उन सीटों पर उम्मीदवार उतारे गए हैं, जहां पिछले चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

पाटन विधानसभा से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद विजय बघेल ने कहा- मुख्यमंत्री के खिलाफ पार्टी ने मुझे कमल छाप सौंपा है। मैं विश्वास दिलाता हूं पार्टी नेतृत्व को, कि पाटन की जनता और छत्तीसगढ़ की जनता की बदौलत कांग्रेस को पटखनी देंगे। बता दें कि दुर्ग सांसद विजय बघेल गुरुवार को बिलासपुर संभाग के दौरे के दौरान रतनपुर पहुंचे थे। जहां उन्होंने मां महामाया का दर्शन किया और इस दौरान उन्होंने ये बयान दिया।

खरसिया से महेश साहू को मौका

खरसिया विधानसभा सीट से पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे ओपी चौधरी के स्थान पर महेश साहू को टिकट दिया गया है। राज्य गठन के बाद से अब तक इस सीट पर भाजपा एक बार भी चुनाव नहीं जीत पाई है। यहां से मंत्री उमेश पटेल विधायक हैं।

भाजपा की पहली सूची में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ उनकी सरकार के तीन मंत्री और एक पूर्व मंत्री की सीट पर भी प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। मंत्री उमेश पटेल की खरसिया सीट से महेश साहू, मंत्री अनिला भेड़िया की डौंडीलोहारा सीट से देवलाल ठाकुर, मंत्री जयसिंह अग्रवाल की कोरबा सीट से लखनलाल देवांगन और हाल ही में भूपेश मंत्रिमंडल से बाहर हुए प्रेमसाय सिंह टेकाम की प्रतापपुर सीट से शकुंतला सिंह पोर्थे को उम्मीदवार बनाया गया है। पहली सूची में एक सांसद, एक पूर्व राज्यसभा सदस्य, तीन पूर्व विधायक और पिछले चुनाव में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले दो नेताओं को प्रत्याशी बनाया गया है।

इसके साथ ही 14 प्रत्याशी पहली बार विधानसभा चुनाव मैदान में ताल ठोकेंगे। पहली सूची में ओबीसी वर्ग से आठ प्रत्याशी बनाए गए हैं, जिसमें चार साहू समाज से हैं। प्रदेश में एसटी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीट में से दस और एससी वर्ग के लिए आरक्षित एससी वर्ग की दस में से एक सीट पर उम्मीदवार घोषित किया गया है। आदिवासी मुख्यमंत्री की मांग को लेकर मुखर रहे रामविचार नेताम को एक बार फिर उनकी परंपरागत सीट रामानुजगंज से उम्मीदवार बनाया गया है। नेताम पांच बार विधायक रहे हैं। 2013 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी ने उनको राज्यसभा भेज दिया था, जिसके कारण 2018 के चुनाव में उनको टिकट नहीं मिली थी।राजनीतिक प्रेक्षकों की मानें तो भाजपा ने पिछले तीन-चार विधानसभा चुनाव में दो या दो से अधिक बार हार चुकी सीटों पर पहले फोकस किया है। अभी जो प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं उन्हें क्षेत्र में काम करने का पर्याप्त समय मिलेगा।

प्रत्याशियों को बलि का बकरा बनाया गया: भगत

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 21 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है. लिस्ट जारी होते ही प्रदेश की सियासी पारा हाई है. इसी कड़ी में खाद्य मंत्री मंत्री अमरजीत भगत ने बीजेपी पर निशाना साधा है. भाजपा के प्रत्याशी लिस्ट को लेकर मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि सांड के सामने बछुरू को उतार दिया गया है. पाटन प्रत्याशी को लेकर संज्ञा दी गई, जिन लोगों को टिकट दिया गया है, उनसे पूछें क्या वो खुश हैं ?.

इतना ही नहीं मंत्री ने कहा कि इन प्रत्याशियों को बलि का बकरा बनाया गया है. इनका तो खेत खलिहान भी बिक जाएगा. अभी तो चार दिन अच्छा लगेगा, आगे ख़र्चा का पता चलेगा. खेल करने वाले खेलकर गए, अपने आप को सुरक्षित कर लिए. इस लिस्ट से कांग्रेस को कोई ख़तरा नहीं है, बल्कि फ़ायदा होगा.बता दें कि इसके पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद दीपक बैज ने कहा था कि विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की सूची जारी करके भाजपा ने मान लिया है कि इन 21 सीटों पर उसकी जमानत नहीं बचने वाली है. भाजपा ने 21 सीटों पर उम्मीदवार नहीं बलि का बकरा खोजा है. विजय बघेल पाटन से बलि का बकरा बनाए गए हैं. मोदी और भाजपा को यहां परिवारवाद नहीं दिख रहा. रमन का बेटा सांसद बनेगा, भांजा विधायक चुनाव लड़ेगा.

प्रधानमंत्री मोदी का सामना नहीं कर पाया घमंडिया गठबंधन: सुनील सोनी

- कांग्रेस 2028 के मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव लायेगी और मुंह की खायेगी

रायपुर। सांसद सुनील सोनी ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस भगोड़ों की पार्टी, झूठे आरोप लगाकर भाग खड़ी होती है। उन्होंने विपक्षीय गठबंधन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सामना नहीं कर पाया घंमडिया गठबंधन। कांग्रेस की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अब कांग्रेस 2028 के मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव लायेगी और मुंह की खायेगी।

सांसद सुनील सोनी ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित पत्रवार्ता में संसद के मानसून सत्र के दौरान मोदी सरकार द्वारा पारित कराये गए राष्ट्रहित के विधेयकों की जानकारी देते हुए कांग्रेस सहित विपक्ष के गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। श्री सोनी ने कहा कि संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस नेता अधीररंजन चौधरी और राहुल गांधी ने देश के टुकड़े होने, देश के जलने और भारतमाता के हत्यारे जैसी अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। देश की जनता समय आने पर कांग्रेस को इसका जवाब देगी।

भाजपा सांसद श्री सोनी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष चौधरी को उनकी अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी के लिए निलंबित किया गया। नेता प्रतिपक्ष चौधरी को तो उनकी पार्टी ने संसद में बोलने के लिए पाँच मिनट का समय तक नहीं दिया, उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निवेदन पर लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें बोलने का समय दिया। देश ने देखा कि कि मौका मिलते ही नेता प्रतिपक्ष ने कैसे गुड़ का गोबर किया! गुरुवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री सोनी ने कहा कि कांग्रेस भगोड़ों की पार्टी है, झूठे आरोप लगाकर संसद से भाग खड़ी होती है। संसद में कांग्रेस और उसके साथ ही विपक्ष के घमंडिया गठबंधन का चरित्र बेपर्दा हो गया। देश ने देखा कि मणिपुर पर उकसावे की राजनीति कर शांति के प्रयासों में बाधक बने विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाया और चर्चा से भाग गया। वोटिंग से भाग गया। श्री मोदी ने मणिपुर की जनता को आश्वस्त करते हुए कसम खाई है कि मणिपुर के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए कार्य कर रहे हैं और वहां शांति का सूरज जरूर निकलेगा। मणिपुर के मामले में देश के गृह मंत्री अमित शाह एक-एक तथ्य से देश को अवगत करा चुके हैं। विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव को लोकसभा चुनाव का सेमी फायनल बताया था और भाजपा की केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा में सेमी फायनल जीता। विपक्ष अब 2028 के मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव लाएगा और मुँह की खाएगा।भाजपा सांसद श्री सोनी ने मणिपुर हिंसा से जुड़े अब तक के तथ्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि देश में नकारात्मक सोच वाला विपक्ष है जो देश के हितों के खिलाफ काम कर रहा है। देश में हिंसा फैलाने की साजिश कर रहा है लेकिन देश की 140 करोड़ जनता का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और हमारे गठबंधन एनडीए के साथ है। हम नाम नहीं बदलते। जनता ने जब दो बार यूपीए को खारिज कर दिया तो अब घमंडिया गठबंधन बनाया गया है।

राजधानी में जमकर बरसे बादल,शहर हुआ पानी-पानी

रायपुर। राजधानी रायपुर में गुरूवार शाम को जोरदार बारिश हुई। करीब एक घंटे हुई तेज बारिश से शहर पानी-पानी हो गया। वहीं मौसम विभाग ने अगले दो दिन और बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही प्रदेश के धमतरी, बस्तर,गरियाबंद कोंडागांव और कांकेर में शुक्रवार सुबह तक बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

गुरूवार शाम राजधानी में करीब एक घंटे जोरदार बारिश हुई जिसके चलते शहर की सड़के पानी से लबालब हो गई। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में उतार चढ़ाव बना हुआ है। जिसके चलते प्रदेश मे कई स्थानों पर बारिश हो रही है। वहीं शुक्रवार और शनिवार को प्रदेश के कई जिलो में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 634.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

15 दिनों में भाजपा को मिला 50 हजार के लगभग सुझाव: अमर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश चुनाव घोषणा पत्र समिति के सह संयोजक व पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल ने कहा है कि प्रदेशभर में घोषणा पत्र के लिए सुझाव संग्रह करने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है और अब तक लगभग 50 हजार सुझाव पार्टी को प्राप्त हुए हैं। रायपुर संभाग के लिए सुझाव संकलन के लिए अभियान की शुरुआत करने राजधानी पहुँचे श्री अग्रवाल ने कहा कि घोषणा पत्र सुझाव संग्रह अभियान को प्रदेश के मतदाता भाइयों-बहनों ने प्रदेशभर में आशातीत सहयोग प्रदान कर छत्तीसगढ़ को समृद्ध और विकसित प्रदेश के रूप में गढ़ने का विजन प्रस्तुत किया है।

भाजपा घोषणा पत्र समिति के प्रदेश सह संयोजक व पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने गुरुवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि घोषणा पत्र के लिए सुझाव सग्रह करने का यह अभियान 3 अगस्त से शुरू हुआ है। श्री अग्रवाल ने कहा कि पार्टी के बस्तर से लेकर सरगुजा तक सभी 35 जिला संगठन इकाइयों के पदाधिकारियों को सुझाव पेटिकाएँ सौंपी गई हैं। इन सुझाव पेटिकाओं के साथ कार्यकर्ता विधानसभा स्तर तक गाँव-गाँव, घर-घर जाकर सुझाव एकत्रित कर रहे हैं। व्यक्तिगत भेंट कर सुझाव लेने के अलावा पार्टी मोबाइल नंबर 9584656500 पर व्हाट्सएप पर और ई-मेल आईडी cgbjpmanki-batw®wx@gmail.com से भी सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि सभी माध्यमों से मात्र 15 दिनों में अब तक लगभग 50 हजार के आसपास सुझाव प्राप्त हुए हैं।

राजेन्द्र ओझा शाला गौरव सम्मान से सम्मानित

रायपुर। श्री गुजराती शाला भवन, देवेन्द्र नगर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में राजेन्द्र ओझा को शाला गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। श्री गुजराती शिक्षण संघ द्वारा प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस पर दो ऐसे भूतपूर्व छात्रों का सम्मान किया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धि हासिल की हो। ज्ञातव्य है कि राजेन्द्र ओझा ने न केवल रंगकर्म के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल की है अपितु आपकी कविताएं, लघुकथा एवं व्यंग्य विभिन्न पत्र - पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होते रहते हैं। आपको सर्वाधिक भाषा के कैलेंडर एवं पंचांग एकत्रित करने के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के दो प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुए हैं। आप नारायणी साहित्यिक संस्थान एवं चरामेति फाउंडेशन के अंतर्गत साहित्यिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भी संलग्न रहते हैं।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़/राजधानी

इज्जत बचाने सूची जारी किया : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिये 21 उम्मीदवारों की सूची जारी करके भाजपा ने मान लिया है कि इन 21 सीटों पर उसकी जमानत नहीं बचने वाली है वहां पर कोई दूसरा दावेदार नहीं है इसलिये इन सीटों पर उम्मीदवार घोषित करके भाजपा चुनाव लड़ने की औपचारिकता निभा रही है। भाजपा ने 21 सीटों पर उम्मीदवार नहीं बलि का बकरा खोजा है। सारा प्रदेश जानता है कि पाटन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की लोकप्रियता उनके द्वारा किये गये विकास कार्यों के सामने भाजपा के उम्मीदवार की दुर्गति होना तय है तो वहां पर विजय बघेल को बलि का बकरा बनाया गया है। भाजपा ने गरीबों के पैसा गबन कर इंदिरा बैंक के घोटाले में घूस के आरोपी रामविचार नेताम को भी प्रत्याशी बनाया है। इंदिरा बैंक के मुख्य अभियुक्त उमेश सिन्हा अपने नार्को टेस्ट में तत्कालीन मंत्री रामविचार नेताम को 1 करोड़ रू. घूस देना स्वीकार किया है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की 21 उम्मीदवारों की सूची से मोदी के तथाकथित भाई, भतीजावाद, परिवारवाद के संबंध में की जा रही दंभोक्ति की भी पोल खुल गयी। भाजपा ने खैरागढ़ से रमन सिंह के भांजे को टिकिट दिया है। मोदी और भाजपा को यहां परिवारवाद नहीं दिख रहा। रमन का बेटा सांसद बनेगा, भांजा विधायक चुनाव लड़ेगा। जब उपचुनाव लड़ने की बारी आती है।

ठगबंधन को चुनाव में उसकी हैसियत दिखा देगी : केदार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा विपक्षियों के गठबंधन को शुरू से ठगबंधन मानती रही है जिसने देश को और छत्तीसगढ़ के ठगने का काम सरकार और विपक्ष में रहते हुए किया है। श्री कश्यप ने कहा कि आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन भाजपा के लिए जब कोई चुनौती है ही नहीं तो भाजपा नेतृत्व के उससे परेशान होने की बात कहकर मुख्यमंत्री बघेल मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं। दरअसल घपलों-घोटालों, झूठ, वादाखिलाफी, कुशासन के चलते अपनी सरकार की सत्ता से तयशुदा विदाई देखकर मुख्यमंत्री अपनी हताशा और कुंठा में इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। देश को ठगने के काम में कांग्रेस और अन्य विरोधी दल लगे हुए हैं। अपने धत्कर्मों के चलते जब यूपीए को पिछले दो लोकसभा चुनावों में सफलता नहीं मिली तो अब नाम बदलकर नया ठगबंधन खड़ा करने की हास्यास्पद कोशिश की गई है, जिसकी सच्चाई से पूरा देश वाकिफ है। देश की जनता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अटूट विश्वास है, इसे साबित करने की आवश्यकता ही नहीं है। सन 2024 के अगले लोकसभा चुनाव में देश ऐसे ठगबंधन को उसकी राजनीतिक हैसियत दिखा देगा। श्री कश्यप ने कहा कि आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन को लेकर मुख्यमंत्री बघेल पहले यह सच प्रदेश को बताएँ कि छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच कैसा राजनीतिक रिश्ता रहेगा।

प्रधानमंत्री सड़क योजना मोदी सरकार गंभीर नहीं: ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार अटल सरकार के समय शुरू की गई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को लेकर गंभीर नहीं है ईमानदारी से उक्त योजना का क्रियान्वयन नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधिकार से देश के कई गांवों को वंचित कर उस गांव के विकास को प्रभावित कर रही है शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार की बुनियादी सुविधाओं को पहुंचने से रोक रही है जब प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना शुरू की गई तब नियम बनाया गया था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में पूरी राशि केंद्र सरकार देगी इसके लिए सामान्य गांव में 500 की आबादी, पिछड़े इलाकों के गांवों में 250 की आबादी और नक्सली क्षेत्र की गांव में 100 की आबादी होने पर वहां अनिवार्य किया गया था। 2001 के जनगणना में जिन गांवो की आबादी पांच सौ, ढाई सौ और सौ से कम थी उन गाँवो में योजना शुरू नही की गई थी उन्ही गांवो की आबादी 2011 के जनगणना में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अनुसार हो गई है फिर भी नरेंद्र मोदी की सरकार उन गांवों को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से दूर रखी हुई है और 2021 में यदि जनगणना हो जाता तब देश के और अनेक गांव प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के दायरे में आते लेकिन मोदी सरकार पूर्ववर्ती सरकार के दौरान शुरू की गई योजनाओं

घोषणा पत्र के वायदों को पूरा नहीं करती भाजपा: शुक्ला

रायपुर। पत्रकारों से चर्चा करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिये घोषणा पत्र जनता को ठगने का दस्तावेज होता है। भाजपा हर चुनाव के पहले घोषणा पत्र बनाती है जिसको संकल्प पत्र नाम देती है लेकिन कभी घोषणा पत्र के वायदों को पूरा नहीं करती है। तीन बार 2003, 2008, 2013 के चुनाव में भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में जो वायदे किया था। यह वह घोषणायें है जिसे उसने तीनों बार फ्रंट पेज में छापा था। तीन चुनावों में 31 वायदे किये जिनमें 25 को पूरा नहीं किया। कांग्रेस और भाजपा में यही अंतर है। हमारे लिये घोषणा पत्र वायदा निभाने का पवित्र दस्तावेज होता है, भाजपा के लिये यह एक चुनावी हथियार मात्र होता है। यह भाजपा के तीन बार के घोषणा पत्रों के फ्रंट पेज में छपी घोषणाओं के विश्लेषण से स्पष्ट होता है। भाजपा ने तीन चुनावों में 2003, 08, 13 में 150 से अधिक वायदे किया था जिसमें से 30 प्रतिशत भी पूरा नहीं किया। कांग्रेस ने 5 सालों में 36 में से 34 वायदे पूरा किया। हिन्दू धर्म में संकल्प पवित्र शब्द माना जाता है जब हम कोई भी पूजा, पाठ अनुष्ठान करते है तो कुश जल लेकर संकल्प लेते है। भाजपा ने तीन बार अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र नाम देकर लगातार उस संकल्प की अवहेलना करने का महापाप करती रही है। हर जरूरतमंद बेरोजगार 12वी पास युवाओं एवं युवतियों को 500 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देंगे - नही दिया।

दावेदारों को ब्लाक कमेटी में आज से करना होगा आवेदन

रायपुर। कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की राजीव भवन में हुई बैठक में तय किया गया कि चुनाव लड़ने के इच्छुक नेता ब्लाक कांग्रेस कमेटी में आवेदन करेंगे। यह आवेदन गुरुवार से लिया जाएगा। कांग्रेस ने पहली बार दावेदारों से आनलाइन आवेदन भी मंगाया है। ब्लाक से आए आवेदन पर जिला स्तर पर चर्चा होगी और प्रदेश चुनाव समिति को तीन से पांच दावेदारों का पैनल भेजा जाएगा।

चुनाव समिति के सदस्यों की मानें तो उम्मीदवार चयन में पहली प्राथमिकता जीतने की क्षमता है। उसके बाद जातिगत समीकरण को ध्यान में रखा जाएगा। कांग्रेस ही पहली सूची सितंबर के दूसरे सप्ताह तक आ सकती है। इसके लिए जिला कांग्रेस कमेटी से 30 अगस्त तक पैनल मंगाया गया है।

प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने दो टूक में कहा कि किसी भी प्रत्याशी के आवेदन पार्टी के बड़े नेता या फिर चुनाव समिति के सदस्यों से स्वीकार नहीं किए जाएंगे। दावेदारों को 17 से 22 अगस्त तक ब्लाक कांग्रेस कमेटी में ही टिकट के लिए आवेदन करना होगा।टिकट बंटवारे पर सैलजा ने साफ किया कि पार्टी और नेतृत्व के प्रति निष्ठा और दूसरा जीतने वाला उम्मीदवार ही टिकट का पैमाना है। सैलजा ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जो पिछले चुनाव में पीसीसी अध्यक्ष थे और टीएस सिंहदेव जो नेता प्रतिपक्ष थे, उन्होंने अपना अनुभव साझा किया।इस समय कांग्रेस सत्ता में है और मौजूदा हालात में किस तरह काम करना है, इस पर चर्चा की गई है। चुनाव समिति की

पुरानी पेंशन को लेकर विद्युत कर्मी आंदोलन की राह पर

- 18 अगस्त को प्रदेश के विद्युत अधिकारी-कर्मचारी लेंगे सामूहिक अवकाश
- प्रदेश में विद्युत व्यवस्था चरमराने की आशंका

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के आव्हान पर 18 अगस्त 2023 को प्रदेश के विद्युत अधिकारी-कर्मचारी सामूहिक अवकाश की तैयारी में है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के जनवरी 2004 के बाद के अधिकारी-कर्मचारियों हेतु नई पेंशन योजना के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने हेतु पॉवर कंपनी के 09 विभिन्न यूनियन-संगठन यथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल पत्रोपाधि अभियंता संघ, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी आफिसर्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल आरक्षित वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संघ, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन, छत्तीसगढ़ विद्युत कर्मचारी संघ (फेडरेशन), विद्युत कर्मचारी, संघ (फेडरेशन), छत्तीसगढ़ तकनीकी विद्युत कर्मचारी एकता यूनियन, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी डॉक्टर एसोसिएशन एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी स्टेनोग्राफर एसोसिएशन के प्रदेश भर के लगभग 9 हजार अधिकारी कर्मचारी ने एकदिवसीय सामूहिक अवकाश का आव्हान किया हैं।

श्रम न्यायालय ने किया अवैध घोषित

रायपुर। माननीय श्रम न्यायालय रायपुर ने बिजलीकर्मियों के संगठन छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनीज अधिकारी-कर्मचारी ओपीएस बहाली संयुक्त मोर्चा की प्रस्तावित 18 अगस्त के सामूहिक अवकाश सत्याग्रह को अवैध घोषित कर दिया है। श्रम न्यायालय ने आज 17 अगस्त को जारी आदेश में कहा है कि प्रस्तावित 18 अगस्त की हड़ताल से जनहित प्रभावित होने की आशंका होने के कारण अवैध घोषित किया जाता है। कर्मचारी-अधिकारी किसी भी हड़ताल सत्याग्रह में शामिल न हों। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक एके वर्मा ने बताया कि श्रम न्यायालय-01 के माननीय न्यायाधीश एसएल मात्रे के कोर्ट में फेडरेशन एवं 7 कर्मचारी संगठनों के 18 अगस्त को सामूहिक अवकाश हड़ताल पर स्थगन देने की अपील की गई थी। कंपनी ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक संगठन अधिनियम 1960 की धारा 167 सहपठित धारा 64 ए तहत वाद प्रस्तुत किया।

भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर बनाई बढ़त: साव

- सभी वर्गों का ठोस संतुलन हमारी जीत की गारंटी है

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा विधानसभा चुनाव के प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि 21 नाम की घोषणा के साथ ही भाजपा ने चुनावी शंखनाद कर जीत की ओर कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी चयनित साथियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि पहली सूची से स्पष्ट हो गया है कि छत्तीसगढ़ की सभी 90 विधानसभा सीटों पर सभी वर्गों का ठोस संतुलन हमारी प्रत्याशी सूची की पहचान बनेगा। भाजपा ने युवाओं के साथ अनुभवी नेतृत्व को मैदान में उतारने का फैसला लिया है। भाजपा ने अपने प्रत्याशियों को पर्याप्त अवसर देने के लिए चुनाव से 3 माह पहले घोषणा का दौर शुरू कर दिया है इससे भाजपा प्रत्याशियों को जनता से सीधे जुड़ने ज्यादा समय मिलेगा। भाजपा ने सभी सीटों पर जनता की कसौटी पर खरे उतरने योग्य प्रत्याशियों का चयन किया है। पहली सूची यह संदेश लेकर आई है की आने वाले विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में शानदार बहुमत के साथ कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस की वादाखिलाफी से त्रस्त हो चुकी है और भाजपा की तरफ विश्वास के साथ बढ़ चुकी है। छत्तीसगढ़ का राजनीतिक माहौल बदल गया है।

यह सुनिश्चित हो गया है कि अब भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार जड़ मूल से उखड़ने वाली है और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी इस बार पाटन से पलायन करना पड़ सकता है। जैसे उनके नेता राहुल गांधी अमेठी में सुनिश्चित हार को देखते हुए केरल के वायनाड पलायन कर गए, भूपेश बघेल भी पाटन में अपनी तयशुदा हार को देखते हुए पाटन के साथ किसी और सीट से भी चुनाव लड़ सकते हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.